भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जिस दिन इंसान सवाल पूछना और प्रमाण पर विश्वास करना सीख जाएगा, उस दिन अंधविश्वास की जगह वैज्ञानिक सोच और शोषण की जगह समानता ले लेगी। '

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication

A/C No: 61347330768

IFSC Code- SBIN0031880

Phone pe , G-pay

9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-340 | झुंझुनू (राजस्थान) | बुधवार, 4 नवंबर, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00



संपादकीय

"मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है,,

अंधविश्वास की बेड़ियां तोड़नी होंगीः वंचित समाज की मुक्ति का रास्ता वैज्ञानिक चेतना से होकर गुजरता है

'जिस दिन वंचित और बहिष्कृत समाज ने तर्क, शिक्षा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपना हथियार बना लिया, उस दिन अंधविश्वास, पाखंड और शोषण की बुनियाद पर खड़ी व्यवस्थाओं का अस्तित्व स्वतः कमजोर पड़ने लगेगा।' यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। किसी समाज को लंबे समय तक कमजोर बनाए रखने का सबसे प्रभावी तरीका उसकी सोच को सीमित कर देना है। जब व्यक्ति सवाल पूछना छोड़ देता है, अन्याय को नियति मान लेता है और अपनी बदहाली के वास्तविक कारणों को समझने के बजाय भाग्य को दोष देने लगता है, तब शोषण की व्यवस्था को फलने-फूलने का अवसर मिलता है। इतिहास में वंचित और बहिष्कृत समुदायों को शिक्षा, ज्ञान और संसाधनों से दूर रखने के अनेक उदाहरण मिलते हैं। इसके परिणामस्वरूप सामाजिक असमानता केवल आर्थिक स्थिति तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसने लोगों की सोच, आत्मविश्वास और अधिकारों के प्रति चेतना को भी प्रभावित किया। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत केवल शिक्षित होने की नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से स्वतंत्र चिंतन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने की है। अंधविश्वास और पाखंड तभी तक प्रभावशाली रहते हैं, जब तक उनके सामने सवाल खड़े नहीं होते। किसी बात को केवल इसलिए सच मान लेना कि वह पीढ़ियों से चली आ रही है, विवेकशील समाज की पहचान नहीं हो सकती। हर परंपरा, मान्यता और दावे को तर्क तथा प्रमाण की कसौटी पर परखना जरूरी है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण व्यक्ति को यही साहस देता है कि वह पूछ सके–ऐसा क्यों है, इसका आधार क्या है और इससे किसका हित या नुकसान हो रहा है? यही सवाल सामाजिक चेतना का पहला कदम हैं। जिस दिन व्यक्ति भय और भ्रम से बाहर निकलकर प्रमाणों के आधार पर सोचने लगेगा, उस दिन पाखंड के सहारे लोगों को नियंत्रित करना आसान नहीं रहेगा।

समाज की विडंबना यह है कि आज भी गरीबी, बीमारी, अशिक्षा और सामाजिक भेदभाव जैसी समस्याओं के वास्तविक कारणों पर पर्याप्त चर्चा करने के बजाय कई बार उन्हें भाग्य और पूर्वजन्म के कर्मों से जोड़ दिया जाता है। सवाल यह है कि यदि किसी व्यक्ति की गरीबी उसकी नियति है, तो समान अवसर और सामाजिक न्याय की आवश्यकता क्यों है? यदि सामाजिक असमानता स्वाभाविक है, तो संविधान ने समानता का अधिकार क्यों दिया? वास्तव में गरीबी और भेदभाव कोई दैवीय व्यवस्था नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों से जुड़ी समस्याएं हैं। इनका समाधान चमत्कारों के दावों में नहीं, बल्कि शिक्षा, समान अवसर, न्यायपूर्ण नीतियों और जागरूक नागरिकों के सामूहिक प्रयासों में छिपा है। यह समझना भी आवश्यक है कि वैज्ञानिक सोच का अर्थ किसी की निजी आस्था का अपमान करना नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने विश्वास और धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार है, लेकिन किसी भी आस्था की आड़ में भय फैलाना, आर्थिक शोषण करना, जातिगत भेदभाव को उचित ठहराना या मानवीय गरिमा को ठेस पहुंचाना स्वीकार नहीं किया जा सकता। आस्था व्यक्तिगत हो सकती है, लेकिन समाज और शासन की व्यवस्था का आधार संविधान, समानता, स्वतंत्रता और न्याय ही होना चाहिए। परंपराओं का सम्मान तभी सार्थक है, जब वे मनुष्य की गरिमा और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करें, न कि किसी को ऊंचा और किसी को नीचा साबित करने का माध्यम बनें। इस संदर्भ में डॉ. भीमराव आंबेडकर का विचार और संघर्ष आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक मुक्ति का महत्वपूर्ण साधन माना और वंचित समुदायों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया। उनका संघर्ष केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्राप्त करने तक सीमित नहीं था, बल्कि वह ऐसी व्यवस्था के निर्माण के लिए था, जहां जन्म के आधार पर किसी व्यक्ति की गरिमा, अवसर और अधिकार तय न हों। उन्होंने ज्ञान, संगठन और संघर्ष के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का रास्ता दिखाया। उनके विचारों का वास्तविक सम्मान तभी होगा, जब समाज शिक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाएगा, भेदभाव के विरुद्ध खड़ा होगा और अपने अधिकारों के लिए जागरूक तथा संगठित रहेगा। महापुरुषों की तस्वीरों पर माल्यार्पण करना पर्याप्त नहीं, उनके विचारों को जीवन में उतारना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। आज वंचित समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह आपसी जातिगत विभाजन, रूढ़ियों और संकीर्ण स्वार्थों से ऊपर उठकर शिक्षा तथा संगठन को अपनी शक्ति बनाए। केवल भावनात्मक नारों से सामाजिक परिवर्तन नहीं आता। इसके लिए बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलानी होगी, युवाओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करनी होगी और गांव-गांव में पुस्तकालय, अध्ययन केंद्र तथा वैचारिक संवाद के मंच तैयार करने होंगे। समाज को ऐसे शिक्षित युवाओं की आवश्यकता है, जो केवल अपनी व्यक्तिगत सफलता तक सीमित न रहें, बल्कि अपने समुदाय और आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान तथा अवसरों के द्वार खोलें। जिस समाज में पढ़ने की संस्कृति विकसित होती है, वहां विचारों की स्वतंत्रता और अधिकारों की समझ भी मजबूत होती है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब पैदा होती है, जब शिक्षित होने का दावा करने वाले लोग भी बिना प्रमाण के किसी बात को स्वीकार करने लगते हैं और सामाजिक कुरीतियों को परंपरा के नाम पर संरक्षण देते हैं। डिग्री प्राप्त कर लेना और विवेकशील बन जाना एक ही बात नहीं है। वास्तविक शिक्षा वही है, जो व्यक्ति को अन्याय के सामने खड़े होने, गलत मान्यताओं पर सवाल उठाने और मानवता के पक्ष में निर्णय लेने का साहस दे। समाज को ऐसे नागरिक चाहिए जो चमत्कारों के दावों से प्रभावित होने के बजाय वैज्ञानिक उपलब्धियों पर भरोसा करें, भाग्यवाद के बजाय कर्म और अधिकारों की बात करें तथा भेदभाव के बजाय समानता को प्राथमिकता दें। अब समय आ गया है कि वंचित और बहिष्कृत समाज अपनी चेतना को केवल प्रतिक्रियाओं तक सीमित न रखे, बल्कि ज्ञान और तर्क के आधार पर एक नई सामाजिक दिशा तैयार करे। किसी भी समुदाय की असली ताकत उसकी संख्या, नारों या भावनात्मक आक्रोश में नहीं, बल्कि उसकी शिक्षा, वैचारिक स्पष्टता, संगठन और आत्मसम्मान में होती है। जब व्यक्ति अपने अधिकारों को समझेगा, अन्याय के कारणों को पहचानेगा और प्रमाण के आधार पर निर्णय लेगा, तब उसे भ्रमित करना और उसका शोषण करना कठिन होगा।

याद रखिए, अंधविश्वास समाज को सवालों से दूर रखता है, जबकि वैज्ञानिक दृष्टिकोण उसे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाता है। जिस दिन वंचित समाज ने भाग्य के भरोसे बैठने के बजाय शिक्षा, तर्क और संवैधानिक अधिकारों के बल पर अपना भविष्य गढ़ना शुरू कर दिया, उस दिन शोषण और पाखंड की दुकानें स्वतः कमजोर पड़ जाएंगी। सामाजिक क्रांति का रास्ता चमत्कारों से नहीं, जागरूक मस्तिष्क और स्वतंत्र विचारों से निकलता है।

मुख्यमंत्री आरोपों के सबूत दें या माफी मांगें: गहलोत

सीएम बताएं, अनंता रिसॉर्ट को विशेष पैकेज देने में आपकी क्या भूमिका है?

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आरोपों पर पलटवार करते हुए आरोपों के सबूत सामने रखने के लिए कहा। गहलोत ने कहा- सीएम सबूत दें, अन्यथा 24 घंटे में मुख्यमंत्री भजनलाल माफी मांगें। सीएम भजनलाल शर्मा ने जोधपुर में मंगलवार को गहलोत पर किसानों को लूटने, नकली खाद-बीज बेचने सहित कई आरोप लगाए थे। गहलोत ने सीएम के आरोपों पर पलटवार करते हुए द्वय शिखर अग्रवाल मामले में जवाब नहीं देने पर सवाल उठाते हुए कमेंट किए हैं।

गहलोत ने एक्स पर लिखा- जोधपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बिना तथ्यों के जो अनर्गल बातें कही हैं। उनसे मेरे मन को पीड़ा पहुंची है। उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर मेरे बारे में एकदम झूठे आरोप लगाकर जो कपोल-कल्पित कहानी प्रचारित की है। मुझे आशा है कि उसका पूरा विवरण, तथ्यों और दस्तावेज सहित वे मुझे भी देंगे और प्रदेश की जनता के सामने भी रखें, अन्यथा 24 घंटे में माफी मांगें।

शिखर अग्रवाल मामले में सच्चाई सामने रखें सीएम

गहलोत ने लिखा- मैं तो उम्मीद कर रहा था कि लोकतांत्रिक मर्यादा के अनुरूप मुख्यमंत्री के एसीएस रहे द्वय शिखर अग्रवाल पर विला खरीद को लेकर वे खुद मीडिया में सार्वजनिक रूप से लग रहे मिलीभगत के आरोपों पर सच्चाई जनता को बताएंगे। इस मामले में मुख्यमंत्री की संदिग्ध भूमिका को लेकर असलियत प्रदेश की जनता को बताएंगे, क्योंकि अनंता कंपनी को विशेष छूट देने का फैसला जिस बोर्ड की बैठक में हुआ, उसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री खुद हैं।



डोटासरा बोले- जवाब तथ्यों से देना चाहिए, व्यक्तिगत आरोपों से नहीं

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एक्स पर लिखा- मुख्यमंत्री भजनलाल जी, जब आपकी सरकार, आपके मुख्यमंत्री कार्यालय और उसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारियों पर सवाल उठ रहे हों, तो स्वाभाविक रूप से जवाबदेही भी आपकी बनती है। यह अच्छी बात है कि आरोपों के बाद कार्रवाई होती दिखाई दे रही है। लेकिन सवाल यह भी है कि इस कार्रवाई का अंतिम परिणाम क्या होगा और क्या वास्तव में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होकर जिम्मेदारी तय होगी? लेकिन आज पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोतजी को लेकर मुख्यमंत्री की भाषा और उनके द्वारा लगाए गए व्यक्तिगत आरोपों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ आपके पास इतने गंभीर आरोपों से जुड़े तथ्य और प्रमाण थे, तो 3 साल तक आप मौन क्यों रहे? आज ही इन आरोपों को सार्वजनिक करने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? कहीं ऐसा तो नहीं कि जब सवालों की आंच आपके अपने ऑफिस और आपकी जवाबदेही तक पहुंचने लगी, तो चर्चा का रुख मोड़ने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री पर नए आरोपों की झड़ी लगा दी गई? यदि आपके आरोपों में कोई सच्चाई है, तो आपके पास सत्ता है, सरकार है और पूरी प्रशासनिक मशीनरी है। तथ्यों और प्रमाणों के साथ उन्हें सार्वजनिक कीजिए और कानून के अनुसार कार्रवाई कीजिए। लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणियां और बिना प्रमाण के आरोप लगाकर अपनी सरकार तथा अपने कार्यालय से जुड़े सवालों से बचा नहीं जा सकता।

जूली बोले- गहलोत पर लगाए बेबुनियाद आरोपों पर माफी मांगें मुख्यमंत्री

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी सीएम भजनलाल शर्मा पर पलटवार करते हुए माफी मांगने को कहा है। जूली ने एक्स पर लिखा- पूर्व सीएम अशोक गहलोत का लंबा सार्वजनिक जीवन बेदाग और आदर्शों से परिपूर्ण रहा है। जब भजनलाल शर्मा ने साल 2003 में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा, जिसमें उनकी जमानत जब्त हो गई थी। तब तक गहलोत 5 बार सांसद और 3 बार केंद्रीय मंत्री रह चुके थे और राजस्थान के मुख्यमंत्री थे। जूली ने लिखा- आज मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उन पर जिस प्रकार के मिथ्या आरोप लगाए, वे अपने अतिरिक्त मुख्य सचिव रहे अधिकारी के साथ मिलीभगत के आरोप लगने के बाद उनकी बौखलाहट को दर्शाते हैं। मुख्यमंत्री के आज के बयान राजस्थान की राजनीति का स्तर गिराने वाले हैं। उन्हें ऐसे बयानों के लिए अविलंब माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री बौखला गए और भाषा की मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ गए

गहलाते ने लिखा- ऐसा लगता है कि अपराधबोध से ग्रसित होकर मुख्यमंत्री बौखला गए और भाषा की मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ गए। इस प्रकार उन्होंने इन आरोपों से ध्यान भटकाने के लिए जनता को भ्रमित करने का असफल प्रयास किया है।

एसीबी के बजाय सीबीआई को सौंपे जांच

गहलोत ने लिखा- मुख्यमंत्रीजी, सवाल अब भी वही है। आखिर इस मामले की जांच आप अपने अधीन एजेंसी एसीबी की बजाय केंद्रीय एजेंसी सीबीआई को क्यों नहीं सौंप रहे?

नवलगढ़ में सबसे ज्यादा 66.34% मतदान

उदयपुरवाटी में सबसे कम; कहीं EVM खराब हुई तो कहीं वोटिंग बहिष्कार

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनू । झुंझुनूं जिले की चार पंचायत समितियों में मंगलवार को जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव के लिए मतदान हुआ। शाम 6 बजे तक नवलगढ़ पंचायत समिति में सबसे अधिक 66.34 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि उदयपुरवाटी 61.09 प्रतिशत के साथ सबसे पीछे रही। गुढ़ागौड़जी में 65 प्रतिशत और गोठड़ा में 62.21 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के दौरान कई जगह ईवीएम में तकनीकी खराबी से प्रक्रिया प्रभावित हुई। गोठड़ा पंचायत समिति के बारवा गांव में करीब डेढ़ घंटे तक मशीन बंद रहने से महिलाओं की लंबी कतारें लग गईं। वहीं गुढ़ागौड़जी के मझाऊ गांव में बूथ संख्या एक पर करीब एक घंटे तक मतदान रुका रहा। दूसरी ओर नीम की ढाणी (झाझड़) में परिसीमन के विरोध में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। ग्रामीणों ने मांग पूरी होने तक चुनावों में मतदान नहीं करने का ऐलान किया। बारवा में डेढ़ घंटे EVM बंद रहने से मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी तरह मझाऊ में भी 1 घंटे तक मतदान रोकना पड़ा। नीम की ढाणी (झाझड़) के ग्रामीणों ने गांवों के पुनर्गठन और परिसीमन के विरोध में मतदान का बहिष्कार किया।



खेतड़ी पंचायत चुनाव में 118 नामांकन पत्र मिले: तीसरे दिन 73 प्रत्याशियों ने जमा किए पर्चे

भीम प्रज्ञा न्यूज

खेतड़ी । पंचायत राज चुनाव को लेकर खेतड़ी पंचायत समिति क्षेत्र में चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। पंचायत समिति सदस्य पद के लिए नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन मंगलवार को 73 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। इससे पहले सोमवार को 43 और पहले दिन वार्ड-12 से बाबूलाल तथा वार्ड-10 से रूबी ने नामांकन किया था।

अब तक 118 नामांकन प्राप्त

रिटर्निंग अधिकारी सुनील कुमार चौहान ने बताया-पंचायत समिति सदस्य पद के लिए अब तक कुल 118 नामांकन प्राप्त हुए हैं। लगातार प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल करने से क्षेत्र में चुनावी हलचल बढ़ने लगी है। संभावित प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में भी चुनाव को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।



4 नवंबर तक जमा होंगे नामांकन

चौहान ने बताया-निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाई जाएगी। नामांकन जमा कराने की अंतिम तिथि 4 नवंबर है। इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और नियमानुसार चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। पंचायत राज चुनाव के चौथे चरण में 14 नवंबर को मतदान होगा। चुनाव को लेकर प्रशासन की ओर से आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

नीमकाथाना की 39 पंचायतों में 19 महिलाएं बनी सरपंचः इक्कीस वर्षीय पलक भट्ट सबसे युवा सरपंच

सिरोही में उर्मिला 1987 वोटों से जीती

भीम प्रज्ञा न्यूज

नीमकाथाना । नीमकाथाना में पंचायत चुनाव के नतीजों में इस बार क्षेत्र में युवा जोश और अनुभव का मेल देखने को मिला। नीमकाथाना पंचायत समिति की 39 ग्राम पंचायतों में हुए सरपंच चुनाव में 19 महिलाओं और 20 पुरुषों ने जीत दर्ज की। इस तरह 48.72 प्रतिशत महिला और 51.28 प्रतिशत पुरुष सरपंच निर्वाचित हुए। नवनिर्वाचित सरपंचों की उम्र 21 से 74 वर्ष के बीच रही।

21 साल की पलक सबसे युवा, 74 साल तक के प्रत्याशियों को मौका

चुनाव में युवाओं की भागीदारी खास रही। हरजनपुरा ग्राम पंचायत में 21 वर्षीय पलक भट्ट ने 637 वोटों के अंतर से जीत दर्ज कर सबसे युवा सरपंच बनने का रिकॉर्ड बनाया। वहीं तिवाड़ी का बास में 29 वर्षीय जयराम यादव ने महज 29 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। आयु वर्ग के आंकड़ों के अनुसार, 21 से 40 वर्ष के 19 सरपंच निर्वाचित हुए हैं। 41 से 60 वर्ष आयु वर्ग के 13 और 61 वर्ष से अधिक उम्र के 7 प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की।

सिरोही में सबसे बड़ी जीत, गोविंदपुरा और नीमोड़ में पांच वोट से फैसला

सिरोही ग्राम पंचायत में उर्मिला ने 1987 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की, जो सबसे बड़ा अंतर रहा। हरजनपुरा में पलक भट्ट 637 वोटों से जीतीं। दूसरी ओर गोविंदपुरा और नीमोड़ पंचायतों में प्रत्याशियों ने महज पांच-पांच वोटों के अंतर से जीत हासिल की। मावंडा आरएस में गीता देवी ने 16 वोटों से जीत दर्ज की। जाटाला में बबिता देवी 798 और पीथमपुरी में अनुराधा बघाला 667 वोटों के अंतर से विजयी रहीं। इन नतीजों में कहीं भारी जनसमर्थन तो कहीं कांटे की टक्कर देखने को मिली।



युवा सरपंचों में महिलाओं की संख्या अधिक

नीमकाथाना पंचायत समिति की 39 ग्राम पंचायतों में 11 सीटों पर 30 वर्ष से कम उम्र के प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की। इनमें महिलाओं की संख्या अधिक रही।

मॉडर्न चिल्ड्रन सीनियर सेकेंडरी स्कूल चिड़ावा में गूंजा सुंदरकांड का पाठ, हनुमान चालीसा परंपरा की हुई सराहना



भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

मॉडर्न चिल्ड्रन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मंगलवार को विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन हुआ। विद्यालय परिसर में आज सुंदरकांड के पाठ का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पूरी श्रद्धा के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम में श्रीजाव के बालाजी मंदिर के महंत मोतीलाल लाटा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके सान्निध्य में हुए इस आयोजन में वरिष्ठ मित्र मंडल चिड़ावा के सदस्य, विद्यालय के समस्त विद्यार्थी और शिक्षकगण मौजूद रहे। सुंदरकांड के पाठ से पूरा विद्यालय परिसर भक्तिमय हो गया।

हर मंगलवार और शनिवार को गूंजती है हनुमान चालीसा

इस विद्यालय की सबसे खास विशेषता यह है कि यहां की प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में हर मंगलवार और शनिवार को नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया जाता है। विद्यालय की इस सराहनीय पहल और बच्चों में संस्कारों के बीजारोपण को देखकर वरिष्ठ मित्र मंडल चिड़ावा ने विद्यालय प्रबंधन की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। मंडल के सदस्यों ने विद्यालय के सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस परंपरा को बच्चों के मानसिक और नैतिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।



बच्चों को घर बैठे खेल-खेल में सिखाएं गणित के गुण

कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है।

कोरोना वायरस महामारी के बाद कई छात्र काफी मानसिक तनाव महसूस कर रहे हैं। इस तनाव को दूर करने के लिए कई छात्र नए-नए हुनर सीख रहे हैं। ऐसे में भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग काफी बढ़ गई है। माता-पिता अपने बच्चों को नए कौशल सिखाने के लिए ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म का सहारा ले रहे हैं। ऐसे में अगर आप अपने बच्चे को गणित और सांख्यिकी गणना सिखाना चाहते हैं तो अबेकस ट्रेनिंग क्लास की मदद से आप अपने बच्चों को खेल में गणित पढ़ा सकते हैं।

कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है। माता-पिता अलग-अलग ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म ढूंढ रहे हैं जिसके माध्यम से उनके बच्चों को रचनात्मक सीखने के माहौल में पाला जा सकता है। गणित और संख्या कुछ बच्चों के लिए स्वाभाविक रूप से आती है, लेकिन जब गणना की बात आती है तो स्कूल और कॉलेज के छात्रों का एक बड़ा हिस्सा कुछ हद तक संघर्ष करता है। अबेकस, जैसा कि हम सभी जानते हैं, सदियों से मौजूद है और इसे अंकगणितीय कौशल और संख्यात्मक प्रवाह को विकसित करने के लिए दुनिया भर में सबसे अच्छे उपकरणों में से एक माना जाता है। अबेकस टूल का उपयोग गणितीय कार्यों जैसे जोड़, घटाव, गुणा, वर्ग या घनमूल को करने के लिए किया जाता है। अबेकस का उपयोग दशमलव अंक, ऋणात्मक संख्या और बहुत कुछ गिनने के लिए भी किया जा सकता है। अपने गणना कौशल में सुधार के अलावा, अबेकस सीखने से बच्चे के समग्र विकास में मदद मिल सकती है। अबेकस सीखने के कुछ लाभ इस प्रकार हैं :

- कैलकुलेशन की गति और सटीकता में सुधार करता है
- विश्लेषणात्मक कौशल और तार्किक रीजनिंग का निर्माण करता है
- गणित में रुचि पैदा करता है
- एकाग्रता और अवलोकन शक्ति को बढ़ाता है
- मेमोरी में सुधार करता है
- आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बनाता है



यहां भारत में पांच ऐसे प्लेटफार्मों के बारे में बताया गया है जो 100 प्रतिशत डिजिटल एबेकस प्रशिक्षण प्रदान करते हैं और युवाओं को भविष्य के रोल मॉडल बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

ब्रिटिश यूथ इंटरनेशनल कॉलेज

यूके स्थित प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन अबेकस शिक्षण मंच लॉन्च करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। उनके मंच में पूरी तरह कार्यात्मक वर्चुअल अबेकस है जो बच्चों के समग्र मानसिक विकास के लिए इंटरैक्टिव प्रशिक्षक के नेतृत्व वाली अबेकस शिक्षण पद्धति का उपयोग करता है। ये ऑनलाइन कक्षाएं चरण-दर-चरण अप्रोच प्रदान करती हैं जिसका उद्देश्य छात्रों को अबेकस को ध्यान में रखकर मार्गदर्शन करना और कैलकुलेटर की तुलना में तेजी से संख्या की गणना करना है। शिक्षक प्रत्येक छात्र को गहन शिक्षण प्रदान करते हैं। वे जोड़, घटाव, गुणा, भाग, दशमलव जोड़, दशमलव घटाव, दशमलव गुणा और दशमलव भाग को कवर करते हैं। वे एकमात्र अबेकस कंपनी हैं जो दशमलव आधारित गणना प्रदान करती हैं।

उडेमी

उदमी अबेकस कोर्स का उद्देश्य आपकी गणना, क्षमता, संख्या बोध और मानसिक अंकगणित को बेहतर बनाने में मदद करके मस्तिष्क का विकास करना है। यह पाठ्यक्रम मल्टीमीडिया और एनिमेशन के जरिये आपको सिखाएगा कि अबेकस पर सही और तेज बुनियादी गणित संचालन कैसे करें। इन अबेकस ऑनलाइन कक्षाओं को शुरू करके बच्चे अबेकस पर संख्याएं रखने, हल करने और जोड़ और घटाव को समझने में सक्षम होंगे।

अबेकस सुपरमैथ्स

'सुपरमैथ्स' छात्रों को अबेकस टूल का उपयोग करने के लिए एक दोस्ताना और इंटरैक्टिव मंच प्रदान करता है। उनकी कक्षाएं आपको ऑनलाइन वर्कशीट पर काम करके मानसिक सिद्धांत अवधारणाओं को अभ्यास में लाने की अनुमति देती हैं। यह कोर्स दो ट्रैक में आता है, जूनियर और सीनियर। पहले ट्रैक में 11 स्तर होते हैं जबकि दूसरे वरिष्ठ ट्रैक में 8 स्तर होते हैं। प्रत्येक स्तर के अंत में एक ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाती है जिसके बाद छात्र को अगले स्तर पर पदोन्नत किया जाता है। वे प्रशिक्षक के नेतृत्व में आवेदन आधारित वीडियो कक्षाओं के माध्यम से पढ़ाते हैं।

अबेकस मास्टर

अबेकस मास्टर ने अबेकस को अधिक रोचक और मनोरंजक बनाने के लिए अनूठी विशेषताओं के साथ एक व्यापक शिक्षण मंच बनाया है। यह ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म 5-12 वर्ष की आयु के बीच के छात्रों को अबेकस प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसमें आठ स्तर शामिल होते हैं जो बुनियादी से लेकर उन्नत अबेकस गणनाओं तक सभी विषयों को कवर करते हैं। छात्र इस पाठ्यक्रम को अपनी गति के हिसाब से ले सकते हैं; हालाँकि, पोर्टल पूरी तरह से आश्वस्त होने के लिए प्रत्येक स्तर पर कम से कम दो महीने बिताने का सुझाव देता है। उनकी कक्षाएं एनिमेशन, अंजान वीडियो और प्रैक्टिस वर्कशीट की मदद से दी जाती हैं।

स्मार्ट किड अबेकस

स्मार्ट किड की 'अबेकस प्रेक्टाइजी' बच्चों के लिए अबेकस ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करती है। ये कक्षाएं सप्ताह में एक बार 45 मिनट के लिए आयोजित की जाती हैं। समय में कोई पाबन्दी नहीं है और छात्र कई प्रकार के पाठ्यक्रमों में से चुन सकते हैं। यह आठ स्तरीय पाठ्यक्रम है जिसमें 5 बुनियादी और 3 अग्रिम स्तर हैं। पाठ्यक्रम 4-14 वर्ष आयु वर्ग के छात्रों के लिए डिजाइन किए गए हैं और ये पाठ्यक्रम कौशल के विकास के साथ-साथ संपूर्ण मस्तिष्क विकास को बढ़ावा देते हैं।

वैकल्पिक चिकित्सा में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो चुनें मैग्नेटिक थेरेपी

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए।

मैग्नेटिक थेरेपी, जिसे मैग्नेट थेरेपी या मैग्नो थेरेपी भी कहा जाता है, वास्तव में एक वैकल्पिक चिकित्सा उपचार है, जिसमें विभिन्न रोगों के उपचार के लिए चुंबक का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद सिंपल, इफेक्टिव, सुरक्षित व पूरी तरह से दर्दरहित प्राकृतिक उपचार है। चुंबकीय चिकित्सा को एक विज्ञान के साथ-साथ एक कला के रूप में माना जाता है, क्योंकि इसमें मानव के विभिन्न अंगो, रोगों को जानने के साथ-साथ व मैग्नेट के उचित उपयोग को जानना भी उतना ही जरूरी है। विज्ञान में, चुंबकीय चिकित्सा एक्यूपंक्चर के समान है। वहीं कला में, इसमें विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए शरीर के विभिन्न हिस्सों पर विभिन्न आकारों और शक्तियों के मैग्नेट का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद डिफरेंट चिकित्सा थेरेपी है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं कॅरियर-

स्किल्स

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा उन्हें मानव शरीर व उसके महत्वपूर्ण अंगों की रचना व उसके विज्ञान के बारे में भी पता होना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता

भारत में केवल कुछ ही संस्थान मैग्नेट थैरेपी पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं। मैग्नेट थेरेपी में सर्टिफकिट, डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता 10, 2 है और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए स्नातक होना आवश्यक है। डिप्लोमा कोर्स की अवधि 1 वर्ष की है और स्नातक और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स 2 वर्ष का है। कुछ संस्थान शार्ट टर्म डिप्लोमा और मास्टर डिप्लोमा कोर्स भी करवाते हैं, जिनकी अवधि एक से तीन महीने की होती है। एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट प्राइवेट व पब्लिक हॉस्पिटल, नेचुरोपैथी हॉस्पिटल या वैकल्पिक उपचार चिकित्सा केन्द्रों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा मैग्नेटिक थेरेपिस्ट इंडिपेंडेंट प्रैक्टिस भी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वह उपचार के लिए मैग्नेटिक ज्वैलरी, ब्रेसलेट व अन्य उत्पादों को भी बेच सकते हैं। एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट की आय असीमित है। उनकी आय उनके चिकित्सीय कौशल पर निर्भर करती है। सेल्फ इंपलायड मैग्नेटिक थेरेपिस्ट घंटे के हिसाब से चार्ज करते हैं। उनका एक सेशन करीबन 20 से 30 मिनट का होता है।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, कोलकाता
- एक्यूप्रेशर रिसर्च, टेनिंग व टीटमेंट इंस्टीट्यूट, जोधपुर
- ऑल इंडिया पैरा मेडिकल टेक्नोलॉजी एंड अल्टरनेटिव मेडिकल काउंसिल, लुधियाना
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी, पुणे
- कॉलेज ऑफ क्लिनकिल मैग्नेटोलॉजी और प्राण हीलिंग कॉलेज, त्रिशूर
- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, कोलकाता
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, बैंगलोर
- महेन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, जयपुर





एक्वापॉनिक्स फार्मिंग में है बेहतर भविष्य

क्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है।

आज के समय में एग्रीटेक स्टार्टअप बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। एक्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है जबकि इसमें पौधे दोगुनी रफ्तार से बढ़ते हैं। एक्वापॉनिक्स में एक फिश टैंक में मछली पालन किया जाता है और दूसरी तरफ पानी पर हाइड्रोपोनिक खेती का सिस्टम बनाया जाता है। फिश टैंक में मछलियां फीड खाने के बाद करीब 70 फीसदी तक मल निकालती हैं जिसमें अमोनिया होता है। इसके बाद फिश टैंक से अमोनिया वाले पानी को हाइड्रोपोनिक खेती के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जब ये पानी पौधों की जड़ों तक पहुंचता है तो वहां मौजूद बैक्टीरिया इसे नाइट्रोजन में तोड़ देते हैं। यह पौधों के विकास के लिए बहुत ही अहम होता है। इसके बाद पानी को फिर से प्यूरिफाई किया जाता है और दोबारा मछलियों के टैंक में डाला जाता है। इस तरह एक ही पानी बार-बार इस्तेमाल होता रहता है और पानी की बचत होती है।

एक्वापोनिक फार्मिंग सेटअप तैयार करने में कितनी लागत आएगी यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप बड़ा सेटअप तैयार करना चाहते हैं या छोटा। उदाहरण के लिए अगर आप एक एकड़ जमीन पर एक्वापोनिक फार्मिंग करते हैं तो आपका करीब 3 करोड़ रूपए तक का खर्चा आ सकता है। इसके साथ ही अगर आप मुनाफा चाहते हैं तो आपको अच्छी क्वालिटी वाली चीजें इस्तेमाल करनी होंगी। एक्वापोनिक खेती से हुई पैदावार पूरी तरह ऑर्गेनिक होती है इसलिए आप इसके लिए सामान्य की तुलना में दो से तीन गुना कीमत कमा सकते हैं। हालाँकि, आपको पैदावार से पहले ही उसे बेचने की तैयारी कर लेनी होगी वरना आपको भारी नुकसान हो सकता है। इसके लिए आप बड़े-बड़े रिटेल स्टोर, रेस्टोरेंट और फाइव स्टार होटलों से कॉन्ट्रैक्ट कर सकते हैं।



फ्लाइट में यात्रियों की मेहमान नवाजी कर कमाएं हजारों

केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें।

केबिन क्रू का मतलब होता है केबिन के कर्मचारी। किसी भी फ्लाइट में जहाँ यात्री बैठते हैं, उसे केबिन कहते हैं। फ्लाइट में यात्रियों की सेवा और सुरक्षा के लिए जो टीम होती है, उसे केबिन क्रू कहते हैं। केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें। आज के इस लेख में हम आपको केबिन क्रू बनने के लिए जरूरी योग्यता, प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी देंगे

योग्यता

- उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा में साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स किसी भी स्ट्रीम में पास होना चाहिए। या किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी अगर आपने किसी भी सब्जेक्ट में स्नातक की हो तो आप केबिन क्रू की जॉब के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक की ऊंचाई 157 से 170 सेंटीमीटर के बीच होनी चाहिए।
- आवेदक की आयु 17 से 26 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

जरूरी कौशल

- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए दूसरों के साथ अच्छी तरह से बातचीत करने का ढंग होना चाहिए।
- आपके शरीर पर किसी प्रकार का टैटू नहीं होना चाहिए।
- आपकी अंग्रेजी एवं हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी पर्सनालिटी और गुड लुक्स भी जरुरी होते हैं।

कोर्सेज

- डिप्लोमा इन केबिन क्रू एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन एंड ट्रेवल मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एविएशन एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन केबिन क्रू
- सर्टिफिकेट कोर्स इन एयर हॉस्टेस

केबिन क्रू कैसे बनें

- एयरलाइन कंपनियां समय-समय पर केबिन क्रू की भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी करती हैं।
- केबिन क्रू का एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद आवेदक को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है।
- इंटरव्यू क्लियर करने के बाद आवेदक की शारीरिक जाँच और मेडिकल टेस्ट होता है।
- मेडिकल टेस्ट क्लियर करने के बाद ग्रुप डिस्कशन होता है।
- इन सभी टेस्ट्स को पास करने वाले उम्मीदवारों का चयन केबिन क्रू के लिए होता है।

सैलरी

शुरुआत में बतौर केबिन क्रू आपकी सैलरी प्रतिमाह 30,000 रूपये से 50,000 रूपये तक हो सकती है। हालांकि, समय के साथ अनुभव होने पर सैलरी बढ़कर 70 हजार रूपये से 1 लाख रूपये प्रतिमाह तक हो सकती है।



दूरंतो एक्सप्रेस का चंडीगढ़ तक विस्तार करने की मांग, शेखावाटी को मिलेगा दो राज्यों की राजधानी से सीधा रेल संपर्क

3 थर्ड एसी और 5 स्लीपर कोच जोड़ने की भी उठाई मांग, ट्रेन का टाइमटेबल रिव्यू कर प्रतिदिन संचालन की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।



शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति ने मुंबई-हिसार-मुंबई दूरंतो एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12239/12240) का विस्तार चंडीगढ़ तक करने की मांग उठाई है। समिति ने इस ट्रेन को हिसार से आगे हांसी, भिवानी, रोहतक, पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र और अंबाला कैंट होते हुए चंडीगढ़ तक संचालित करने का प्रस्ताव रेलवे के सामने रखा है। शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि इस ट्रेन का चंडीगढ़ तक विस्तार होने से मुंबई, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, जयपुर, रींगस, सीकर, झुंझुनूं, लोहारू, सादुलपुर और हिसार सहित अनेक क्षेत्रों का हरियाणा एवं पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ से सीधा रेल संपर्क स्थापित हो सकेगा। इससे यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और शेखावाटी क्षेत्र को भी बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिल सकेगी।अग्रवाल ने रेलवे से ट्रेन का टाइमटेबल रिव्यू कर इसे प्रतिदिन संचालित करने तथा यात्रियों की सुविधा को देखते हुए इसमें 3 थर्ड एसी और 5 स्लीपर श्रेणी के अतिरिक्त कोच जोड़ने की मांग की है। इसके साथ ही बोरीवली, सूरत, नवलगढ़, चिड़ावा, भिवानी, रोहतक, पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र और अंबाला कैंट रेलवे स्टेशनों पर ठहराव शुरू करने का आग्रह किया है। समिति अध्यक्ष ने ट्रेन संख्या 12239 मुंबई सेंट्रल-हिसार दूरंतो एक्सप्रेस के प्रस्थान समय में बदलाव का सुझाव देते हुए कहा कि इसे मुंबई सेंट्रल से वर्तमान निर्धारित समय रात्रि 11:10 बजे के स्थान पर रात्रि 8 बजे रवाना किया जाए। वहीं ट्रेन संख्या 12240 चंडीगढ़-मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस को चंडीगढ़ से सुबह 7 बजे रवाना करने का प्रस्ताव रखा है, ताकि यह अपने पूर्व निर्धारित समय सुबह 8:20 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंच सकें। अग्रवाल ने बताया कि इन मांगों को लेकर शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति की ओर से रेल मंत्री सहित महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के राज्यपालों एवं मुख्यमंत्रियों को पत्र भेजने का अभियान चलाया जाएगा। समिति का उद्देश्य शेखावाटी सहित विभिन्न क्षेत्रों के यात्रियों को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध करवाना और चंडीगढ़ तक सीधी रेल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करवाना है।

डूँडलोद व झुंझुनूं में खाद्य सुरक्षा विभाग का बड़ा एक्शन, 50 किलो बदबूदार मावा-मिठाई सहित भारी मात्रा में एक्सपायरी सामान नष्ट

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं/डूँडलोद।

राज्य सरकार के 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने डूँडलोद एवं झुंझुनूं शहर में विभिन्न प्रतिष्ठानों पर आकस्मिक निरीक्षण कर मिलावटी एवं अवधिपार खाद्य सामग्री के खिलाफ कार्रवाई की। सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. दीपेंद्र सिंह शेखावत एवं डॉ. विकास शर्मा के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में खाद्य सामग्री मौके पर ही नष्ट करवाई गई।

डूँडलोद में 50 किलो बदबूदार मावा-मिठाई नष्ट

डूँडलोद स्थित एक प्रतिष्ठान के निरीक्षण के दौरान करीब 50 किलोग्राम अत्यंत बदबूदार मिठाई एवं मावा मिला। टीम ने इसे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मानते हुए मौके पर ही नष्ट करवा दिया। इसके साथ ही प्रतिष्ठान पर तैयार किए जा रहे पेड़ों के नमूने लेकर जांच के लिए राज्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। प्रतिष्ठान में साफ-सफाई एवं रखरखाव की गंभीर कमियां मिलने पर संचालक को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के तहत सुधार नोटिस जारी किया गया। प्रतिष्ठान संचालक को कमियां दूर करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। निर्धारित अवधि में सुधार नहीं होने पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

झुंझुनूं में एक्सपायरी खाद्य सामग्री जब्त कर नष्ट करवाई

अभियान के तहत झुंझुनूं शहर के एक अन्य प्रतिष्ठान पर भी निरीक्षण किया गया। यहां जांच के दौरान बड़ी मात्रा में अवधिपार खाद्य सामग्री मिली, जिसे टीम ने जब्त कर मौके पर ही नष्ट करवा दिया। नष्ट करवाई गई सामग्री में करीब 10 किलो ड्राई फ्रूट्स, 15 किलो देसी खांड, 10 लीटर ऑरेंज क्रश तथा 10 लीटर फ्रूट पाउडर शामिल हैं। इसके अलावा मिलावट की आशंका पर प्रतिष्ठान से दो संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सामग्री खरीदते समय लेबल जरूर पढ़ें

सीएमएचओ डॉ गुर्जर ने आमजन से अपील की है कि बाजार से खाद्य सामग्री एवं पैक्ड उत्पाद खरीदते समय उनके लेबल की अच्छी तरह जांच करें। विशेष रूप से निर्माण तिथि, एक्सपायरी अथवा यूज बाय डेट, अधिकतम खुदरा मूल्य, पोषक तत्वों की जानकारी तथा एलर्जन संबंधी चेतावनी अवश्य देखें। अधिकारियों ने कहा कि जागरूक उपभोक्ता बनकर ही खाद्य मिलावट एवं अवधिपार सामग्री से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान से बचा जा सकता है।

मिलावटखोरों के खिलाफ जारी रहेगा अभियान

खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. दीपेंद्र सिंह शेखावत ने स्पष्ट किया कि आमजन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले खाद्य कारोबारियों के खिलाफ अभियान के तहत सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी और एसपी ने किया 16 मतदान केंद्रों का निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए कार्मिकों और पुलिस जवानों को सतर्कता बरतने के दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।



जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अरुण गर्ग (आईएएस) एवं पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर (आईपीएस) ने संयुक्त रूप से जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने मतदान प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था एवं मतदान केंद्रों पर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने ढिगाल, मांडासी, सोटवारा, घोडीवारा खुर्द, कसेरू, डूमरा, कैरू, नवलड़ी, चैलासी, नवलगढ़, झाझड़, गोठड़ा, परसरामपुरा, भोड़की, गुढ़ागौड़जी और बड़ागांव स्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं, मतदान प्रक्रिया के संचालन तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर तैनात मतदान कार्मिकों एवं पुलिस जाप्ते की व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। अधिकारियों ने कार्मिकों को निर्देश दिए कि मतदान प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाई जाए। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने, संवेदनशीलता के साथ ड्यूटी करने तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए तथा किसी भी अप्रिय स्थिति की सूचना मिलने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

न्याय तक पहुंच प्रत्येक नागरिक का अधिकारः सीजेएम डॉ. सुयशा जावा

गांव अयाल्की में हुआ मेगा विधिक सेवा एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।



विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । आमजन को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा पात्र लाभार्थियों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की ओर से जिला प्रशासन के सहयोग से मंगलवार को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण डॉ. सुयशा जावा की उपस्थिति में गांव अयाल्की में मेगा विधिक सेवा सह जागरूकता शिविर का उद्घाटन किया गया। सीजेएम डॉ. सुयशा जावा ने कहा कि न्याय तक पहुंच प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। कानूनी जागरूकता समाज में न्याय, समानता और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए ताकि वह किसी भी प्रकार के शोषण या अन्याय के विरुद्ध उचित कानूनी सहायता प्राप्त कर सके।

उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्तियों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने के लिए जागरूकता और प्रशासनिक सहयोग जरूरी है। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा आगामी 2 माह तक इस मेगा अभियान के तहत विभिन्न नालसा स्कीमों के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा तथा पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ प्रदान करवाने में आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी ताकि कोई भी व्यक्ति अपने अधिकारों से वंचित ना रहे। इस अवसर पर पैनल अधिवक्ता राजबाला, गुरप्रीत सिंह, राकेश कुमार, पैरा लीगल वालंटियर विश्वामित्र सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

पर्यवेक्षक गौरव चतुर्वेदी ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

पंचायती राज आम चुनाव के तृतीय चरण के तहत मंगलवार को जिले की चार पंचायत समितियों में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के निर्वाचन के लिए मतदान संपन्न हुआ। इस दौरान राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक गौरव चतुर्वेदी ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदान प्रक्रिया एवं निर्वाचन व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पर्यवेक्षक गौरव चतुर्वेदी ने बड़ागांव, नाटास, भाटीवाड़ एवं केड़ के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा वहां तैनात मतदान दलों से निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं, मतदान की व्यवस्थाओं एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की पालना की स्थिति का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान कार्मिकों को मतदान प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न करवाने के निर्देश दिए। साथ ही यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि मतदान के लिए आने वाले मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो तथा सभी मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। उन्होंने मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने तथा निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

युवा संसद एवं राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़



युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत विभाग मेरा युवा भारत (माय भारत) सीकर के तत्वावधान में मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय लक्ष्मणगढ़ में 'नशा मुक्त युवा' थीम पर ब्लॉक स्तरीय पड़ोस युवा संसद एवं राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने का आह्वान किया गया। जिला युवा अधिकारी मोहित कुमार ने मेरा युवा भारत पोर्टल के माध्यम से आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों, युवा सहभागिता एवं सामाजिक विकास से जुड़े अवसरों की जानकारी दी। कॉलेज से प्राचार्य डॉ अर्चना, गोयनका शिक्षा का शोध संस्थान के डायरेक्टर कर्नल डीएस भाटी, श्रीमती रजनी जोशी सहायक आचार्य हिंदी विभाग, डॉ गायत्री शर्मा सहायक आचार्य रसायन विज्ञान विभाग, निकित सैनी सहायक आचार्य गणित विभागने युवाओं को नशे से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में युवाओं से नशामुक्ति के समर्थन में प्रभावशाली स्लोगन लिखने का आह्वान किया गया तथा उपस्थित युवाओं को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के आयोजन में माय भारत वॉलंटियर गौरव वर्मा एवं उर्मिला का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज प्राचार्य डॉ अर्चना शर्मा ने युवाओं को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का प्रेरक संदेश दिया।

रक्तदान शिविर का पोस्टर विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।



सुमेर मीणा । श्री गणेश मंदिर उदयपुरवाटी में रक्तदान शिविर बजरंग दल के तत्वाधान में पोस्टर का विमोचन किया गया। 12 नवंबर 2026 को विशाल रक्तदान शिविर अग्रसेन विश्रामगृह बस स्टैंड सुबह 9:00 बजे से 4:00 बजे तक किया जाएगा। विमोचन में गौरक्षक दल चिराना, कोट की टीम शामिल रही। इस अवसर पर तहसील संयोजक रणसिंह,नगर संयोजक अमित जांगिड़ और कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

प्लास्टिक मुक्त बाजार जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने निकाली रैली

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।



शहर में मंगलवार को मंगलवार को राजस्थान सरकार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग कार्य योजना मिशन लाइफ के तहत ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल वीक 1 नवंबर से 7 नवंबर 2026 के क्रियान्वयन में प्लास्टिक मुक्त बाजार जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली के दौरान विद्यार्थीयों हाथों में प्लास्टिका मुक्त बाजार का संदेश देने वाले कार्डबोर्ड लेकर विद्यालय से उदयपुरवाटी के मुख्य मार्ग से होते हुए पुनः विद्यालय तक पहुंचे रैली के दौरान विद्यार्थियों ने प्लास्टिक से होने वाली हानियों से समाज को जागरूक करने वाले नारे लगाए। अंत में विद्यालय स्टाफ व विद्यार्थियों ने सिंगल यूज प्लास्टिक का कम से कम उपयोग एवं पुनः उपयोग की शपथ ली। कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं उद्देश्य विद्यालय की जीव विज्ञान की व्याख्याता अनीता ने प्रस्तुत किया।

पत्नी ने पति की 18वीं पुण्यतिथि पर विद्यालय में कैमरे लगाने के लिए 51 हजार रुपए देने की घोषणा की

नवनिर्वाचित सरपंच संदीप कुमार का विद्यालय स्टाफ ने किया स्वागत, सरपंच ने 10 गद्देदार कुर्सियां देने की घोषणा की

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।



पीएम श्री महात्मा गांधी शहीद कुलदीप सिंह राजकीय विद्यालय घरड़ाना खुर्द में मंगलवार को स्व. राकेश कुमार पुत्र बनवारी लाल की 18वीं पुण्यतिथि पर सामाजिक सरोकार से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी सुमन देवी (अध्यापिका) ने विद्यालय में सीसीटीवी कैमरे स्थापित करवाने के लिए 51 हजार रुपए देने की घोषणा की।कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के नवनिर्वाचित सरपंच संदीप कुमार के विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय स्टाफ की ओर से साफा एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। प्राचार्य ओमप्रकाश ने अतिथियों का स्वागत करते हुए भामाशाह राजकूपर एवं सुमन देवी का विद्यालय के प्रति सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित सरपंच संदीप कुमार ने विद्यालय को 10 गद्देदार कुर्सियां भेंट करने की घोषणा की। विद्यालय परिवार ने दोनों भामाशाहों के सहयोग की सराहना करते हुए इसे शिक्षा एवं विद्यालय विकास के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया।कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य अशोक कुमार जांगिड़ ने सभी अतिथियों का विद्यालय में पधारने पर आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर राजकूपर, रणदीप, अशोक कुमार, वीरू, अभय सिंह, मंजू, सुनील कुमार, राकेश कुमार, नरेंद्र सैनी, अंजू, कलावती, सुमन, शारदा, सरिता, प्रमोद, रिचा, अनिल कुमार, संजीव सहित विद्यालय स्टाफ एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स के लिए वर्ष 2027 हेतु वार्षिक भौतिक सत्यापन अनिवार्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत सभी पेंशनर्स के लिए वर्ष 2027 हेतु वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। विभाग द्वारा जारी निर्देशानुसार, वर्ष 2027 के लिए वार्षिक भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया 01 नवंबर 2026 से आरंभ हो चुकी है। जिले में लगभग 2,80,806 पेंशनर्स पंजीकृत हैं। विभाग के उप निदेशक अरविंद ओला ने बताया कि विभागीय नियमानुसार हर पेंशनर को साल में एक बार वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाना जरूरी है। यदि कोई पेंशनर समय पर सत्यापन नहीं करवाता है, तो उसकी पेंशन राशि का भुगतान प्रभावित या बाधित हो सकता है। पेंशन का नियमित भुगतान प्राप्त करने के लिए सभी पेंशनर्स से अविलंब अपना सत्यापन कराने की अपील की गई है।

सत्यापन करवाने के मुख्य विकल्पः

ई-मित्र के माध्यम से: पेंशनर अपने नजदीकी ई-मित्र केंद्र पर जाकर बायोमेट्रिक (अंगूठे के निशान आदि) के जरिए अपना वार्षिक सत्यापन करवा सकते हैं। पेंशनर घर बैठे अपने मोबाइल पर Rajssp Mobile App के जरिए फेस रिकॉग्निशन (चेहरे की पहचान) के आधार पर भी खुद सत्यापन कर सकते हैं। यदि बायोमेट्रिक या फेस रिकॉग्निशन से सत्यापन न हो पाए, तो ग्रामीण क्षेत्र के पेंशनर विकास अधिकारी तथा शहरी क्षेत्र के उपखण्ड अधिकारी (एसडीओ) कार्यालय में जाकर पीपीओ में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त कर सत्यापन करवा सकते हैं। इसके अलावा, आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर ओटीपी के जरिए भी सत्यापन का प्रावधान रखा गया है।

मोबाइल नंबर अपडेट कराने की सलाह

जिन पेंशनर्स के आधार या जनाधार कार्ड में अभी तक मोबाइल नंबर अपडेट नहीं है, वे पहले ई-मित्र के माध्यम से अपने आधार/जनाधार में मोबाइल नंबर दर्ज (रिजिस्टर) करवाएं और उसके बाद अपना वार्षिक सत्यापन सुनिश्चित करें।

ब्रिक्स सतत जीवन शैली सप्ताह के अन्तर्गत रुडिप द्वारा विधार्थियो को जल संरक्षण का दिया सन्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज., नवलगढ़।

राजस्थान सरकार द्वारा ब्रिक्स राज्य कार्य योजना के अन्तर्गत विभिन्न विभागों, स्कूल, कॉलेजों, एन जी ओ की सहभागिता के माध्यम से सतत जीवन शैली सप्ताह के आयोजन का आव्हान किया गया है जिसमे स्वस्थ जीवन शैली, उर्जा व जल बचत, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने सम्बंधित विभिन्न विषयों के पर आमजन में जागरूकता लाने हेतु आयोजन किये जाने है उसी क्रम में आज नवलगढ़ शहर की बेलाबाई एम मोरारका विद्या मन्दिर स्कूल नवलगढ़ में जल संरक्षण पर विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन आरयूआईडीपी के अधिशाषी अभियन्ता नूतन प्रकाश सैनी के मार्गदर्शन में किया गया 7 कार्यक्रम में सामुदायिक जागरूकता व जन सहभागिता ईकाई - कैप के सहायक सामुदायिक विकास विशेषज्ञ भींव सिंह सैनी ने विद्यार्थियों को जल संरक्षण के बारे में जानकारी देते हुए जल अंकेक्षण का उद्देश्य, उपयोगिता तथा प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी उसके बाद पानी पर हक है हमारा पर एक फिल्म दिखाई गई उसके बाद 5 छात्र एवं 5 छात्राओं का एक समूह बनाकर उनके साथ स्कूल के एक अध्यापक के साथ विद्यालय में भ्रमण कर पेयजल, हाथ धोने, टॉयलेट में लगे वॉटर प्वाइंट देखें गए साथ ही विधार्थियो को पानी व्यर्थ न बहाने, जल संरक्षण के उपायों की जानकारी दी गईं 7 साथ ही स्कूल में जल एवं बिजली की व्यवस्था पर किए जाने वाले खर्च की भी जानकारी दी गयी ।

सैनी ने विद्यार्थियों को बताया की जल ही जीवन है जल के बिना जीवन की कल्पना करना मुश्किल है जीवन के सभी कार्य का निष्पादन के लिए जल की आवश्यकता होती है जल संसाधन पानी के वह स्त्रोत है जो मानव जाति के लिए उपयोगी है फर्श को पाईप से धोने की बजाय पोछे से साफ करें सेविंग करते वक्त नल को खूला ना छोडे मग में पानी लेकर सेव करे इस प्रकार की छोटी छोटी आदतो से बहुत सारा पीने वाला पानी बचाया जा सकता है जो आज की बचत और कल का भविष्य हैं और इसमें बच्चो को अपना अहम रोल निभा सकते है इसलिए अब समय आ गया है की बच्चो को आगे आकर पानी को बचाने के लिए उपाए करने होंगे 7 इस अवसर पर सोशल सेफगार्ड जितेन्द्र कुमार शर्मा ने विधार्थीयों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के बारे में अनेक छोटे छोटे उदाहरणों के माध्यम से समझाया व जल सरंक्षण पर प्रकाश डाला अपनें उदबोदन मे बोलते हुए कहा कि स्कूल मे जल संरक्षण पर इस प्रकार के कार्यक्रम कराने चाहिए। जिससे जल संरक्षण के प्रति बच्चो मे सहभागिता सुनिश्चित की जा सके विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मुकेश कुमार शर्मा ने कहा की विद्यार्थीयो के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चो में जागरूकता बढ़ाते है 7 इस कार्यक्रम में एसओटी पंकज कटारिया, प्रमोद कुमार व विद्यालय स्टाफ ने अपनी सहभागिता निभाई

करीब 50 साल पुराने पुश्तैनी जमीन विवाद का पुलिस की मध्यस्थता से शांतिपूर्ण समाधान, दोनों पक्षों में बनी आपसी सहमति

पुलिस चौकी कुलां की सराहनीय पहल, वर्षों पुराने विवाद को बातचीत, सदाचार और आपसी समझदारी से सुलझाने में मिली सफलता

एसपी निकिता खट्टर के मार्गदर्शन में फतेहाबाद पुलिस की जनहितैषी पहल, आपसी भाईचारे, सद्भाव एवं सामाजिक सौहार्द को दिया जा रहा बढ़ावा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।



विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता एवं निष्पक्षता से समाधान करने तथा समाज में आपसी भाईचारा, सद्भाव और सौहार्द बनाए रखने की दिशा में फतेहाबाद पुलिस निरंतर सराहनीय प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस के मार्गदर्शन में थाना सदर टोहाना के अंतर्गत पुलिस चौकी कुलां ने पुलिस की मध्यस्थता से करीब 50 साल पुराने पुश्तैनी जमीन संबंधी विवाद को बातचीत, आपसी समझदारी और सहमति के आधार पर शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पुलिस के इस सकारात्मक प्रयास से दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति बनी और वर्षों से चले आ रहे विवाद का समाधान संभव हो पाया।

करीब पांच दशक पुराने विवाद को बातचीत और सद्भाव से सुलझाने की पहल

पुलिस चौकी कुलां प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक कश्मीर सिंह के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पुश्तैनी जमीन को लेकर करीब 50 वर्षों से विवाद चला आ रहा था। इस लंबे समय से चले आ रहे विवाद के समाधान के लिए पुलिस द्वारा सकारात्मक पहल करते हुए दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित करवाया गया। पुलिस की मध्यस्थता में दोनों पक्षों की बात को धैर्यपूर्वक सुना गया तथा उन्हें आपसी सम्मान, सदाचार और समझदारी के साथ विवाद का समाधान निकालने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस के प्रयासों और दोनों पक्षों की सहमति से वर्षों पुराना विवाद शांतिपूर्ण ढंग से सुलझ गया।

पुलिस और जनता के बीच विश्वास एवं सद्भाव को मजबूत करने की दिशा में सराहनीय प्रयास

पुलिस अधीक्षक श्रीमती निकिता खट्टर, आईपीएस के मार्गदर्शन में फतेहाबाद पुलिस द्वारा आमजन के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने तथा उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का प्रयास है कि आपसी सहमति से सुलझाए जा सकने वाले विवादों में निष्पक्ष मध्यस्थता के माध्यम से दोनों पक्षों को बातचीत के लिए प्रोत्साहित किया जाए, ताकि समाज में शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारा कायम रहे। फतेहाबाद पुलिस आमजन से अपील करती है कि आपसी विवादों को बढ़ाने के बजाय संयम, सदाचार, आपसी सम्मान और कानूनसम्मत तरीकों से उनका समाधान करने को प्राथमिकता दें। पुलिस प्रशासन आमजन की सहायता, सुरक्षा तथा समाज में शांति, सौहार्द एवं भाईचारा बनाए रखने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान करना भी पुलिस की प्राथमिकता

फतेहाबाद पुलिस का उद्देश्य केवल अपराधों की रोकथाम एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनकर उनके समाधान में सकारात्मक भूमिका निभाना भी है। पुलिस चौकी कुलां द्वारा की गई यह पहल दर्शाती है कि आपसी बातचीत, धैर्य, सदाचार और परस्पर सम्मान की भावना से लंबे समय से चले आ रहे विवादों का भी शांतिपूर्ण समाधान संभव है। इस प्रकार के प्रयास समाज में आपसी विश्वास और भाईचारे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हेरोइन बरामदगी के पुराने मामले में उद्घोषित अपराधी गिरफ्तार, थाना सदर टोहाना पुलिस की कार्रवाई

वर्ष 2017 में 25 ग्राम हेरोइन बरामदगी से जुड़ा है मामला, किला मोहल्ला निवासी सावन पुलिस के हत्थे चढ़ा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।



विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । विभिन्न आपराधिक मामलों में फरार चल रहे आरोपियों एवं उद्घोषित अपराधियों की धरपकड़ के लिए फतेहाबाद पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में थाना सदर टोहाना पुलिस ने हेरोइन बरामदगी के एक पुराने मामले में उद्घोषित अपराधी (पीओ) सावन पुत्र अशोक कुमार निवासी किला मोहल्ला, टोहाना को गिरफ्तार किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना सदर टोहाना प्रभारी निरीक्षक साधु राम ने बताया कि 25 नवंबर 2017 को अपराध शाखा टोहाना की टीम ने सहायक उपनिरीक्षक राजबीर सिंह के नेतृत्व में गांव बलियाला नहर पुल के पास नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल सवार हप्पी निवासी राजनगर, टोहाना को 25 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया था। इस संबंध में थाना सदर टोहाना में मुकदमा न0 336 दिनाँक 25.11.2017, धारा 21b,61,85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।थाना प्रभारी ने बताया कि इसी मामले में किला मोहल्ला निवासी सावन को माननीय न्यायालय द्वारा उद्घोषित अपराधी (पीओ) घोषित किया गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी सावन को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। मामले में नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जा रही है। शफतेहाबाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आपराधिक मामलों में फरार चल रहे आरोपियों एवं न्यायालय द्वारा उद्घोषित अपराधी घोषित किए गए व्यक्तियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की कार्रवाई निरंतर जारी है। ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार कर कानून के दायरे में लाया जा रहा है।

खेतड़ीनगर में अधिकारियों-कर्मचारियों ने नशा मुक्ति की शपथ ली:युवाओं को नशे से दूर रहने और जागरूकता फैलाने की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज



खेतड़ी । खेतड़ीनगर में मंगलवार को केसीसी के प्रशासन भवन के सभागार में नशा मुक्त भारत अभियान आयोजित किया गया। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने नशा मुक्ति की शपथ ली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केसीसी के सांद्रण महाप्रबंधक वीके इंद्रा थे। अध्यक्षता डॉ. दीपिका खुराना ने की।

वीके इंद्रा ने समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नशे से व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक जीवन पर असर पड़ता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज के हर वर्ग को नशा मुक्ति के लिए जागरूक करने की अपील की। डॉ. दीपिका खुराना ने बच्चों और युवाओं के खान-पान, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जीवनशैली पर जानकारी दी। उन्होंने नशे से होने वाले शारीरिक और सामाजिक नुकसान से बचने के लिए स्वस्थ आदतें अपनाने की बात कही।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में वीके इंद्रा, विपिन शर्मा, जयंत मुखोपाध्याय, कमलेश कुमार, डॉ. दीपिका खुराना, मोहम्मद उस्मान, श्यामलाल सैनी, देवेंद्र वर्मा, राजेश डंडेल, इंद्रा कुमार, चरणसिंह, हसरत हुसैन, मोनिका, डॉ. प्रमोद, डॉ. रेणु, पार्वती, सुधा शर्मा, लक्ष्मी, अनूप सिंह और शेरसिंह निर्वाण सहित कई लोग मौजूद थे।

नगर परिषद की 13 समितियों के गठन पर हंगामा

बीजेपी पार्षदों ने सभापति पर लगाया पक्षपात का आरोप,कहा- बोलने का मौका तक नहीं दिया

भीम प्रज्ञा न्यूज



सीकर । सीकर नगर परिषद बोर्ड की पहली बैठक में मंगलवार को हंगामा हो गया। इस दौरान बीजेपी पार्षदों ने सभापति खतीजा बानो पर पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि हमें तो सदन में बोलने का मौका ही नहीं दिया। दरअसल, सभापति के निर्वाचन के बाद मंगलवार को बोर्ड की पहली बैठक हुई। शुरुआत में बैठक का माहौल सामान्य रहा, लेकिन जैसे ही नगर परिषद की 13 समितियों के गठन की घोषणा हुई, सदन में हंगामा शुरू हो गया।

समितियों के गठन में दलगत राजनीति का आरोप

भाजपा पार्षदों ने समितियों के गठन में दलगत राजनीति करने का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। 13 समितियों में से केवल मेला समिति में ही भाजपा के पार्षद को अध्यक्ष बनाया गया। भाजपा पार्षदों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस से निर्वाचित सभापति खतीजा बानो और कांग्रेस पार्षदों ने राजनीतिक भेदभाव करते हुए भाजपा को समितियों में प्रतिनिधित्व नहीं दिया। विरोध के बीच बैठक समाप्त हो गई। इससे पहले बैठक में शहर के विकास और आमजन से जुड़े कई मुद्दों पर पक्ष-विपक्ष के पार्षदों ने सहमति जताई।

भाजपा पार्षद बोले- बोलने तक का मौका नहीं दिया

बैठक के बाद वार्ड 35 से भाजपा पार्षद और पूर्व नेता प्रतिपक्ष अशोक चौधरी ने आरोप लगाया कि बैठक में भाजपा पार्षदों को अपनी बात रखने का पर्याप्त मौका नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि पूर्व सभापति और वर्तमान सभापति के पति जीवण खां के इशारे पर सभापति बैठक संचालित करती रहीं। यदि बोर्ड की बैठक इसी तरह चलानी थी तो भाजपा पार्षदों को बुलाया ही क्यों गया? चौधरी ने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों पर भाजपा पार्षदों ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए सहमति दी, लेकिन समितियों के गठन में दलगत राजनीति सामने आ गई। आगामी बैठकों में भाजपा पार्षद पूरी तैयारी के साथ इन मुद्दों को उठाएंगे और सत्ता पक्ष को घेरेंगे।

सफाई कंपनी पर भ्रष्टाचार के आरोप, यूजर चार्ज वसूली पर उठाए सवाल

वार्ड 32 से भाजपा पार्षद अशोक सैनी ने नगर परिषद की ओर से निजी कंपनी वी वॉयस के माध्यम से करवाई जा रही सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सफाई व्यवस्था में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है। कंपनी के ऑटो टीपर और सफाई कर्मचारी कुछ देर फील्ड में रहने के बाद वापस लौट जाते हैं। दूसरी ओर, आमजन से यूजर चार्ज वसूला जा रहा है, लेकिन सफाई व्यवस्था का लाभ लोगों को नहीं मिल रहा। सैनी ने कहा कि दीपावली का सीजन होने के बावजूद कई वार्डों में सप्ताहभर तक सफाई नहीं होती। इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए। बार-बार लापरवाही करने वाली कंपनी को नोटिस देकर कार्रवाई की जाए, ताकि शहर की सफाई व्यवस्था सुधर सके।

पूर्व सांसद ने तहसील ऑफिस में लीं कर्मचारियों की मीटिंग

बोले- तहसीलदार से मिलने आया था; कांग्रेस नेता ने पूछा- ऐसा चुनाव से पहले क्यों किया

भीम प्रज्ञा न्यूज



झुंझुनूं । झुंझुनूं जिले के बिसाऊ तहसील ऑफिस में एक बंद कमरे में पूर्व सांसद की ओर से कर्मचारियों की मीटिंग को लेकर विवाद हो गया है। आरोप है कि पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार ने तहसील ऑफिस के एक कमरे में कुछ कर्मचारियों के साथ बैठक की। मामले को लेकर कांग्रेस नेताओं का कहना है कि चुनाव के दौरान सरकारी ऑफिस में सरकारी कर्मचारियों के साथ मीटिंग कैसे की जा सकती है। घटना के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं। एक वीडियो में एक कमरे में कुछ कुर्सियां रखी दिख रही हैं और पूर्व सांसद वहां खड़े होकर फोन पर बात करते नजर आ रहे हैं। दूसरे वीडियो में पूर्व सांसद तहसील कार्यालय से बाहर निकलते दिख रहे हैं, जहां वीडियो बनाते हुए एक व्यक्ति उनसे पूछता है- 'क्या मीटिंग, किनकी मीटिंग ली है आपने, क्यों आए थे तहसील ऑफिस?' इस पर पूर्व सांसद बिना जवाब दिए सीधे अपनी गाड़ी में जाकर बैठ जाते हैं।

पूर्व सांसद बोले- तहसीलदार से मिलने गया था

हालांकि पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार ने आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने कहा- वे तहसीलदार से मिलने गए थे, लेकिन तहसीलदार मौजूद नहीं थे। उन्होंने नायब तहसीलदार से मुलाकात की और वापस लौट आए। उन्होंने कहा- मैंने कोई मीटिंग नहीं की। किसकी मीटिंग करता? क्या मैं तहसील में जा नहीं सकता? किसी के कहने पर कुछ लोग वहां आ गए और उनसे पूछा गया कि वे यहां क्यों आए थे, यह पूछने का क्या मतलब है।

पालिका अध्यक्ष के पति बोले- मीटिंग क्यों की?

बिसाऊ की नगर पालिका अध्यक्ष के पति सलीम सैय्यद ने आरोप लगाया है कि चुनाव चल रहे हैं, ऐसे में पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार सरकारी ऑफिस में सरकारी कर्मचारियों के साथ मीटिंग कैसे कर सकते हैं। उन्होंने इस दौरान तहसीलदार के ऑफिस में मौजूद न होने की बात भी कही हैं।

अंकिता का सहायक जिला अटॉर्नी पद पर चयन



भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । क्षेत्र के पाली-गोठडा पावर हाउस में जेई सुरेश कुमार की पुत्री अंकिता का सहायक जिला अटॉर्नी पद पर चयन हुआ है। जेई तावडू उप मंडल के ग्राम खोरी कलां के रहने वाले है। अंकिता पूर्व सरपंच जगदीश कोहली की भतीजी हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, रिश्तेदारों और ग्रामीणों में उत्साह है। पिछड़े जिले नूंह के कई होनहार युवाओं ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर विभिन्न पदों पर चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अंकिता की इस सफलता को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक ग्राम खोरी कलां बेटी उपलब्धि माना जा रहा है। अंकिता। अंकिता के चाचा पाड़ला निवासी राकेश कुमार ने बताया कि शिक्षा, मेहनत और लगन के बल पर युवा किसी भी मुकाम को हासिल कर सकते हैं। अंकिता ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरूजजनों व माता-पिता को दिया है। अंकिता शरू से मेधावी रही है 12 कक्षा रमन मुंजाल संस्थान से ग्रहण की तथा चंडीगढ़ से कानून की पढ़ाई के बाद उच्च शिक्षा नीमस जयपुर से की है।

नगर परिषद के ट्रैक्टर ने युवक को कुचला

मौके पर ही हुई मौत, तेज आवाज में गाने बजाने का आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज



चूरू । चूरू तेज आवाज में गाने बजाते हुए कचरे से भरे नगर परिषद के ट्रैक्टर ने सोमवार शाम युवक विनोद खटीक को कुचल दिया। हादसे में विनोद की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, ट्रैक्टर ड्राइवर तेज आवाज में गाने बजाते हुए तेज गति से वाहन चला रहा था। लोगों ने आवाज लगाकर ट्रैक्टर रुकवाया और विनोद को निजी वाहन से डीबी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में मौजूद मोहल्ले के जुगल किशोर ने बताया कि वह शाम को राशन डिपो से गेहूं लेकर लौट रहे थे। वार्ड 52 निवासी विनोद सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान नगर परिषद का कचरे से भरा ट्रैक्टर वहां पहुंचा। जुगल किशोर के मुताबिक, ट्रैक्टर में तेज आवाज में गाने चल रहे थे और ड्राइवर तेज गति से वाहन चला रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर ने विनोद को कुचल दिया। लोगों ने शोर मचाकर ड्राइवर को ट्रैक्टर रोकने के लिए कहा।

निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाया, डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

हादसे के बाद मोहल्ले के लोग विनोद को निजी वाहन से डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलने पर परिजनों और परिचितों में शोक छा गया।

पुलिस ने शव मोर्चरी में रखवाया

सूचना मिलने पर कोतवाली थाने के हेड कांस्टेबल प्रेमचंद शर्मा और अस्पताल चौकी के एएसआई सुरेश कुमार अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया। मंगलवार सुबह मामला दर्ज होने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में सड़क हादसों में 10 लोगों की मौत

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में सप्ताहांत के दौरान हुए सड़क हादसों में आठ लोगों की मौत हो गई। इनमें चार लोग मोटरसाइकिल चला रहे थे और तीन कार चला रहे थे। रविवार शाम मेलबर्न के ब्राइटन ईस्ट इलाके में कार और मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई। हादसे में कार चालक और बाइक सवार दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार एक बच्चा मामूली रूप से घायल हुआ। इससे पहले शनिवार को राज्य के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में एक वाहन की टक्कर से 75 साल की महिला की मौत हो गई थी। वहीं, जिलॉन्ग के पास ई-बाइक और कार की टक्कर में दो किशोर घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर बताई गई है।

नेपाल : बर्फबारी में फंसे छह भारतीय पर्यटकों का रेस्क्यू

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के शे-फोक्सुंडो नेशनल पार्क इलाके में भारी बर्फबारी के कारण फंसे छह भारतीय पर्यटकों को सोमवार सुबह सुरक्षित बचा लिया गया। इनमें दो महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, सभी एक नवंबर से संपर्क से बाहर थे। पर्यटकों को निजी हेलीकॉप्टर की मदद से निकाला गया। फिलहाल सभी का डोल्पा जिले के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी हालत खतरे से बाहर है। ये पर्यटक शे-फोक्सुंडो झील घूमने गए थे। लौटते समय भारी बर्फबारी के कारण नुमला और वागला दर्रे में फंस गए। खराब मौसम के चलते रविवार को सेना का हेलीकॉप्टर भी उन्हें बचाने में नाकाम रहा था। प्रशासन ने पहले ही इलाके में भारी बर्फबारी को देखते हुए पर्यटकों को वहां न जाने की चेतावनी दी थी।

'बांग्लादेशी कपड़ा श्रमिकों का प्रदर्शन, कारखाने बंद

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में कपड़े बनाने वाले श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शनों के बाद सरकार ने वेतन की समीक्षा के लिए वेतन बोर्ड के गठन का एलान किया है। न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर हो रहे इन प्रदर्शनों के चलते देश भर में 500 से अधिक कारखाने बंद करने पड़े हैं, और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस और वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। यह विवाद उस उद्योग के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गया है, जो लगभग 40 लाख श्रमिकों को रोजगार देता है। बांग्लादेश में 80% से अधिक निर्यात आय पैदा करता है और दुनिया के कई बड़े पश्चिमी ब्रांडों को कपड़े सप्लाई करता है।

4.2 करोड़ बच्चों को पछाड़ 11 साल की मयार ने जीता अरब रीडिंग चैलेंज

दुबई , एजेंसी। मिस्र की 11 साल की छात्रा मयार मोहम्मद ने दुबई में आयोजित 8वें 'अरब रीडिंग चैलेंज' में दुनिया भर के 4.02 करोड़ से अधिक छात्रों को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया है। दुबई ओपेरा में आयोजित समारोह में यूएई के उपराष्ट्रपति, पीएम व दुबई के शासक मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने मयार को इस ऐतिहासिक जीत के लिए सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता को जीतने पर मयार को इनाम के रूप में 5 लाख दिरहम (लगभग 1.14 करोड़ रुपये) की राशि मिली है। मिस्र की एक प्राइमरी स्कूल की छात्रा मयार ने दुबई में फाइनल स्टेज तक पहुँचने और उसे जीतने के लिए अलग-अलग विषयों की दर्जनों किताबों को न केवल पढ़ा, बल्कि उनका गहराई से विश्लेषण भी किया। प्रतियोगिता इतनी कठिन थी कि दूसरे स्थान के लिए तीन छात्रों के बीच टाई हो गया।

ट्रंप ने किसानों को दिया 1.42 लाख करोड़ का पैकेज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अमेरिकी कृषि उत्पादकों के लिए 15 अरब डॉलर(1.42 लाख करोड़ रुपये) की वित्तीय मदद और योजनाओं का वादा किया है। इस पहल का उद्देश्य किसानों को डीजल और उर्वरक की उन बढ़ी हुई लागतों से राहत दिलाना है, जिन्हें उन्हें मुख्य रूप से ट्रंप के टैरिफ और ईरान के साथ युद्ध के कारण भुगतना पड़ा है। ग्रामीण मतदाताओं को लुभाने के लिए ट्रंप ने रविवार को आयोवा और कंसास का दौरा भी किया। कुल 15 अरब डॉलर में से आधे से अधिक यानी 8 अरब डॉलर किसानों को मिलने वाले एकमुश्त भुगतान के रूप में दिए जाएंगे।

फ्लोरिडा में विमान हादसा, रिहायशी इलाके के पास निजी जेट क्रैश; प्लेन में सवार सभी 9 लोगों की मौत

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में रविवार को एक बिजनेस जेट क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 9 लोगों की मौत हो गई। एएफपी के मुताबिक, विमान टेक्सास से बहामास जा रहा था। हादसे से कुछ देर पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को कहा, 'विमान तेजी से नीचे गिर रहा है, हम जमीन से टकराने वाले है। अब वक्त नहीं बचा।' इसके कुछ ही देर बाद विमान सड़क के पास जमीन से टकरा गया। टक्कर होते ही जोरदार धमाका हुआ जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया और आसपास के इलाके में आग फैल गई। हादसे की जगह राष्ट्रपति ट्रम्प के मार-ए-लागो आवास से करीब 14 किलोमीटर दूर है।

क्रैश से पहले पायलट ने 'मेडे' कॉल दी थी : एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और पायलट के बीच बातचीत की रिकॉर्डिंग सामने आई है। इसमें पायलट ने बताया कि मौसम खराब हो रहा है। विमान में बर्फ जम रही है और तेज झटके लग रहे हैं। हालात बिगड़ने पर पायलट ने 2 हजार फीट और ऊंचाई पर जाने की अनुमति मांगी। इसी दौरान विमान तेजी से नीचे गिरने लगा। स्थिति बिगड़ती देख पायलट ने इमरजेंसी घोषित कर दी।

पायलट ने रेडियो पर कहा, हम 8 हजार फीट नीचे जा रहे हैं... मेडे, मेडे... हम 10 हजार फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिर रहे हैं। हम जमीन से टकराने वाले हैं

30 हजार फीट/मिनट की रफ्तार से नीचे गिरा विमान : विमान हादसे से पहले 35 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। नीचे गिरते समय विमान की अधिकतम रफ्तार 30 हजार फीट प्रति मिनट तक पहुंच गई। अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने बताया कि यह हादसा दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर हुआ। उन्होंने इसे बेहद दर्दनाक हादसा बताया। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन जांच में मदद के लिए अपनी टीम भेज रहा है। यह टीम नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के साथ मिलकर हादसे की जांच करेगी।



600 लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया : हादसा रिहायशी इलाके में हुआ था। फ्लोरिडा के अधिकारियों के मुताबिक, विमान के मलबे और हादसे के असर के कारण करीब 600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। उनके लिए दो शेल्टर बनाए गए। एविएशन इंडस्ट्री की वेबसाइट एविएशन इंटरनेशनल न्यूज के मुताबिक, हादसे का शिकार विमान साल 2004 में बना था। यानी हादसे के समय यह करीब 22 साल पुराना था। इस दौरान इलाके में भारी बारिश और गरज-चमक के साथ तूफान भी था। हालांकि, अभी यह साबित नहीं हुआ है कि खराब मौसम ही हादसे की वजह था। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि विमान क्रैश से पहले बिजली की लाइन से टकराया था। अधिकारियों ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है।

रिहायशी इलाके के पास सड़क पर गिरा विमान : हादसे का शिकार हुआ विमान लियरजेट-60 था। यह दक्षिण फ्लोरिडा के एक रिहायशी इलाके के ऊपर से गुजरते समय अचानक नीचे की ओर गिरा और सड़क के पास जोरदार धमाके के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद विमान में भीषण आग लग गई और आसमान में आग का बड़ा गोला दिखाई दिया। विमान सड़क के पास गिरा, जहां जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया। घटनास्थल पर चारों ओर आग की लपटें और काले धुएं का गुबार फैल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विमान रिहायशी मकानों के बेहद करीब गिरा। हादसे के दौरान वह घरों से कुछ ही दूरी पर सड़क के पास जा गिरा। मौके पर मौजूद लोग यह देखकर हैरान थे कि विमान मकानों और वहां से गुजर रहे वाहनों से टकराने से बाल-बाल बचा। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि हादसे में आसपास के मकानों को कोई नुकसान पहुंचा है या नहीं।

कारों में बैठे लोगों ने बनाया हादसे का वीडियो : हादसे के समय आसपास से गुजर रही कारों में बैठे कुछ लोगों ने विमान के आसमान से तेजी से नीचे गिरने का वीडियो रिकॉर्ड किया। वीडियो में विमान सड़क के पास गिरने के बाद आग के बड़े गोले में बदलता दिखाई दिया। घटनास्थल पर विमान के मलबे और सड़क के टूटे हिस्सों के आसपास आग की लपटें उठती रहीं।

हादसा मिलिट्री ट्रेल और 10वीं एवेन्यू नॉर्थ के पास हुआ। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी और अन्य आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंच गईं। पाम बीच काउंटी शेरिफ कार्यालय ने सुरक्षा के मद्देनजर सड़क के दोनों ओर यातायात बंद कर दिया और वाहन चालकों से उस इलाके में जाने से बचने की अपील की।

क्वाड का आर्थिक सुरक्षा पर जोर, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई में सहयोग बढ़ाएंगे भारत समेत चारों देश

वाशिंगटन , एजेंसी। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में आर्थिक और सामरिक सहयोग को नई दिशा देने के लिए भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने क्रिटिकल मिनरल्स आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), समुद्री सुरक्षा और डिजिटल संपर्क के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। चारों देशों ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करने वाले आर्थिक दबाव, मनमाने निर्यात प्रतिबंधों और बाजार को विकृत करने वाली नीतियों पर चिंता जताई है। अमेरिका के अटलांटा में 31 अक्टूबर को क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक संपन्न हुई।

इसके बाद संयुक्त बयान जारी किया गया। जिसमें आर्थिक सुरक्षा को वैश्विक स्थिरता और समृद्धि के लिए जरूरी बताया गया। बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी शामिल हुए। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी संयुक्त बयान के अनुसार, चारों देशों ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर प्रतिबद्धता दोहराते हुए भरोसेमंद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर दिया। उनका कहना है कि महत्वपूर्ण उद्योगों में जरूरत से ज्यादा उत्पादन, गैर-बाजार नीतियां और मनमाने निर्यात प्रतिबंध वैश्विक व्यापार तथा आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। क्वाड के महत्वपूर्ण खनिज पहल ढांचे के तहत चारों देश इलेक्ट्रॉनिक कचरे और कबाड़ से महत्वपूर्ण खनिजों को दोबारा हासिल करने, प्रसंस्करण संयंत्रों और रिफाइनरियों के विकास तथा वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने पर काम करेंगे। अमेरिका ने 'भारत और आसियान देशों में कचरे से महत्वपूर्ण खनिज निकालने वाली सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक करोड़ डॉलर की सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है।' इस पहल का उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों के लिए किसी एक आपूर्तिकर्ता पर निर्भरता कम करना है। इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा उद्योगों में इन खनिजों की बढ़ती जरूरत को देखते हुए यह सहयोग आर्थिक सुरक्षा के लिहाज से अहम है। एआई के क्षेत्र में भी क्वाड ने बड़ी पहल की घोषणा की है। संयुक्त विज्ञप्ति के अनुसार, चारों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भरोसेमंद एआई तकनीक तक पहुंच बढ़ाने के लिए आठ करोड़ 50 लाख डॉलर से अधिक की तकनीकी और वित्तीय सहायता देने का इरादा रखते हैं। इसके लिए क्वाड एसआई एक्सेलेरेटर के माध्यम से काम किया जाएगा। विज्ञप्ति में 'एसआई' यानी 'सुपर इंटेलिजेंस' का उल्लेख किया गया है, जिसे भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के संदर्भ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में परिभाषित किया गया है।

हूती के खिलाफ सऊदी गठबंधन का अभियान, दावा- अहम सैन्य संसाधनों को किया तबाह

रियाद , एजेंसी। यमन में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा है कि उसने हूती गुट के महत्वपूर्ण संसाधनों को निष्क्रिय करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया है। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मल्की ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, 'अभियान रविवार सुबह चलाया गया। यह कदम सऊदी अरब और यमन में नागरिकों और नागरिक ठिकानों पर हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों के जवाब में उठाया गया था।' अल-मल्की ने बताया कि हूती विद्रोही इन संसाधनों का इस्तेमाल अपने युद्ध प्रयासों को समर्थन देने और अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कर रहे थे, खासकर अपने बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन कार्यक्रमों के लिए। समाचार एजेंसी 'सिन्हुआ' के अनुसार, उन्होंने इस अभियान की जगह या इसके नतीजों के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। इसके अलावा, रविवार को यमन के दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन में स्थानीय निवासियों और एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि शहर में एक सरकारी सैन्य ठिकाने के पास हूती मिसाइल गिरी, जिससे एक जोरदार धमाका हुआ। अपना नाम न बताने की शर्त पर 'सिन्हुआ' से बात करते हुए अधिकारी ने बताया कि मिसाइल पश्चिमी अदन के अल-बुरैका जिले में उस सैन्य ठिकाने के पास गिरी, जिसका इस्तेमाल सऊदी समर्थित यमनी सरकारी सेना कर रही थी। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि इसकी गूंज कई इलाकों तक सुनाई दी। हूती समूह ने इस हमले पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। अदन, जो यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का अस्थायी मुख्यालय है, हाल के दिनों में हूती विद्रोहियों द्वारा किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों की चपेट में आ गया है। यमन 2014 के आखिर से ही संघर्ष में उलझा हुआ है। उस समय हूती विद्रोहियों ने राजधानी सना और उत्तरी यमन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

'नियमों का उल्लंघन' करने वाले तेल टैंकरों में विस्फोट, बारूदी सुरंग से टकराए थे दोनों: ईरान

तेहरान , एजेंसी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने दावा किया है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पिछले कुछ घंटों के दौरान दो 'नियम उल्लंघन करने वाले' सुपरटैंकर समेत एक तेल टैंकर में धमाका हुआ। कथित तौर पर ये दोनों बारूदी सुरंगों (नेवल माइन्स) से टकराए जिससे विस्फोट हुआ और दोनों वहीं रुक गए। रविवार (स्थानीय समय) को आईआरजीसी के आधिकारिक समाचार आउटलेट 'सिपाह न्यूज' पर जारी एक बयान में, नौसेना ने कहा कि ये टैंकर जलडमरूमध्य में एक 'अनधिकृत' (बिना अनुमति वाले) रास्ते से गुजर रहे थे। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इसमें आगे कहा गया कि सुपरटैंकर में 'एक जोरदार विस्फोट हुआ और वह धू-धू कर जल रहा है।' बताया गया कि दोनों



जहाजों ने अपने नेविगेशन और पहचान प्रणालियों को बंद कर रखा था। ईरान ने 28 फरवरी को इस स्ट्रेट पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली थी। उसने इजरायल और अमेरिका के जहाजों-या उनसे जुड़े जहाजों - के सुरक्षित आवागमन पर रोक लगा दी थी। यह कदम ईरानी क्षेत्र पर उनके संयुक्त हमलों के बाद उठाया गया था। इससे पहले, आईआरजीसी के प्रवक्ता होसैन मोहेब्बी ने कहा कि ईरानी बलों ने 'दुश्मन' को नुकसान पहुंचाने और रोकने के लिए एक विशाल युद्धक्षेत्र तय कर लिया है। अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से सिन्हुआ ने बताया कि रविवार (स्थानीय समय) को ईरान के दक्षिण-पूर्वी केरमान प्रांत में एक सम्मेलन में मोहेब्बी ने कहा कि ईरानी बल 'दुश्मन को निर्णायक जवाब देने के लिए' पहले से कहीं अधिक तत्पर हैं। उन्होंने सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई द्वारा वरिष्ठ सैन्य कमांडरों को दिए गए हालिया आदेशों का जिक्र करते हुए कहा कि सुप्रीम लीडर के इन निर्देशों ने 'युद्ध का एक नया अध्याय' शुरू कर दिया है। मोहेब्बी ने खामेनेई की उस बात का उल्लेख खासतौर पर किया जिसमें कहा गया कि 'अमेरिका के साथ युद्ध में कोई भौगोलिक सीमा नहीं है।' उन्होंने कहा कि आईआरजीसी ने अपने एजेंडे में दुश्मन के नए ठिकानों की पहचान करना और नए भौगोलिक क्षेत्रों में अभियानों की योजना बनाना शामिल किया है। शनिवार को एक बयान में बताया गया कि ईरान के सर्वोच्च नेता ने सशस्त्र बलों के वरिष्ठ कमांडरों को आदेश दिया है कि 'दुश्मनों' की ओर से आने वाले किसी भी स्तर और प्रकार के खतरे का, बिना किसी भौगोलिक सीमा के, 'तत्काल और प्रभावी' जवाब दिया जाना चाहिए। ये चेतावनियां ऐसे समय में आई हैं।

ऑस्ट्रेलिया के करीब 75 फीसदी लोगों ने माना, 'एक साल में देश और बंटा'

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में राजनीतिक और सामाजिक विभाजन की खाई बढ़ती जा रही है। एक नए सर्वेक्षण में ये खुलासा हुआ है। करीब तीन-चौथाई नागरिकों ने माना कि उनका देश पिछले एक साल में पहले के मुकाबले अधिक बंट गया है। इसके साथ ही सरकार, राजनीतिक दलों और नेताओं पर जनता का भरोसा भी कमजोर हुआ है। स्वतंत्र थिंक टैंक मैकिनॉन की ने ये सर्वे कराया। सर्वेक्षण में 41.9 प्रतिशत लोगों ने इस बात से पूरी तरह सहमति जताई कि ऑस्ट्रेलिया पिछले 12 महीनों में अधिक विभाजित हुआ है, जबकि 32.5 प्रतिशत ने इससे कुछ हद तक सहमति जताई। इस तरह कुल 74.4 प्रतिशत लोगों ने देश में बढ़ते विभाजन को महसूस किया। सर्वेक्षण के मुताबिक, देश जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसे लेकर संतुष्ट लोगों की



संख्या भी घटी है। वर्ष 2025 में 28.8 प्रतिशत लोगों ने खुद को बहुत या कुछ हद तक संतुष्ट बताया था, लेकिन 2026 में यह आंकड़ा घटकर 26.1 प्रतिशत रह गया। वहीं, देश की दिशा को लेकर पूरी तरह असंतुष्ट लोगों की संख्या में 7.2 प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, जून और जुलाई में हुए इस सर्वेक्षण में 4,000 से अधिक लोगों से ऑस्ट्रेलिया की राजनीतिक व्यवस्था, नेताओं और संस्थानों को लेकर उनकी राय पूछी गई। सर्वेक्षण में संघीय नेताओं और राजनीतिक दलों पर भरोसे में गिरावट भी सामने आई। वर्ष 2025 में 35.9 प्रतिशत लोगों ने संघीय राजनेताओं पर पूरा भरोसा जताया था, जो 2026 में घटकर 30.5 प्रतिशत रह गया। राजनीतिक दलों पर पूरा भरोसा रखने वालों का अनुपात भी 31.2 प्रतिशत से गिरकर 24.4 प्रतिशत पर आ गया। मैकिनॉन के अंतरिम कार्यकारी अध्यक्ष और विक्टोरिया राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री जॉन थ्वेट्स ने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों का लोकतंत्र की संस्थाओं पर भरोसा उस राजनीति के मुकाबले कहीं अधिक है, जो इन संस्थाओं के भीतर संचालित होती है। उन्होंने शिक्षा के आधार पर लोकतंत्र के प्रति संतुष्टि में अंतर को भी महत्वपूर्ण बताया। थ्वेट्स के अनुसार, 'विश्वविद्यालय की डिग्री या उससे अधिक शिक्षा प्राप्त लोगों में लोकतंत्र से संतुष्टि का स्तर 59 प्रतिशत है, जबकि हाईस्कूल या उससे कम शिक्षा वाले लोगों में यह केवल 39.7 प्रतिशत है। सर्वेक्षण में राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर भी असंतोष सामने आया। जब लोगों से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है।

अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के उम्मीदवारों की बड़ी दस्तक, 57 चेहरे मंगलवार को आजमाएंगे किस्मत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में इस बार भारतीय मूल के उम्मीदवारों की उल्लेखनीय मौजूदगी देखने को मिल रही है। ओहायो में गवर्नर पद से लेकर लॉस एंजिलिस के मेयर और मैसाचुसेट्स की सीनेट सीट तक, भारतीय मूल के 57 उम्मीदवार मंगलवार को मतदाताओं के बीच अपनी किस्मत आजमाएंगे। यह संख्या अमेरिकी राजनीति में भारतीय-अमेरिकी समुदाय की बढ़ती भागीदारी और राजनीतिक महत्वाकांक्षा को भी रेखांकित करती है। आईएएनएस ने देशभर से जुटाई एक लिस्ट के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इन 57 उम्मीदवारों में एक सीनेट, 11 प्रतिनिधि सभा, तीन राज्यव्यापी पदों, 36 राज्य विधानमंडलों और छह स्थानीय पदों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। सूची में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को शामिल किया गया है, जिनकी भारतीय मूल की पहचान की पुष्टि हो सकी है।

इसके अलावा 15 ऐसे संभावित उम्मीदवार हैं, जिन्हें भारतीय मूल का माना जा रहा है, लेकिन पर्याप्त पुष्टि नहीं होने के कारण सूची में जगह नहीं मिली है। इन चुनावों में सबसे अधिक निगाहें ओहायो पर रहेंगी, जहां रिपब्लिकन पार्टी के विवेक रामास्वामी गवर्नर पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन को चुनौती दे रहे हैं।

रविवार को उपलब्ध फिफ्टीप्लसवन के पोलिंग औसत में एक्टन को करीब तीन अंकों की बढ़त दिखाई गई। रामास्वामी की उम्मीदवारी इसलिए भी अहम है क्योंकि वह राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं और उनकी जीत अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के नेताओं की स्थिति को एक



नई ऊंचाई दे सकती है। लॉस एंजिलिस में सिटी काउंसिल सदस्य नित्या रमन मौजूदा मेयर करेन बास को चुनौती दे रही हैं। यूसी बर्कले इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नमेंटल स्टडीज और लॉस एंजिलिस टाइम्स के संयुक्त सर्वेक्षण में दोनों उम्मीदवारों को 40-40 प्रतिशत समर्थन मिला, जबकि 19 प्रतिशत मतदाता अब भी अनिर्णीत थे। यह मुकाबला भी भारतीय मूल के उम्मीदवारों की बढ़ती राजनीतिक पहुंच का एक अहम उदाहरण है। न्यूयॉर्क में रिपब्लिकन उम्मीदवार सरिता कोमाटिरेड्डी अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स के खिलाफ मैदान में हैं। 28 अक्टूबर को जारी सिएना सर्वेक्षण में जेम्स को 54 प्रतिशत और कोमाटिरेड्डी को 39 प्रतिशत समर्थन मिला था। मैरीलैंड की लेफ्टिनेंट गवर्नर अरुणा मिलर भी दोबारा चुनाव जीतने की कोशिश में हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से वह गवर्नर पद के उम्मीदवार के साथ चुनावी मैदान में हैं, जबकि रिपब्लिकन टिकट में डैन कॉक्स शामिल हैं। सीनेट की एकमात्र भारतीय मूल के उम्मीदवार वाली दौड़ मैसाचुसेट्स में है। यहां शिवा अय्यादुरई निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में डेमोक्रेटिक सीनेटर एड मार्की को चुनौती दे रहे हैं।

अरब पार्टियों ने याशार को समर्थन दिया; चुनाव में किसी दल को बहुमत नहीं मिला

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट के साथ मिलकर सरकार बनाने को तैयार हैं। इजराइली मीडिया आई24 न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने इस गठबंधन की संभावना से इनकार नहीं किया है। वहीं, अरब पार्टियों जॉइंट लिस्ट और राअम ने आइजनकोट की याशार पार्टी को समर्थन देने का फैसला किया है। दरअसल, 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत नहीं मिला। 120 सीटों वाली संसद में सरकार बनाने के लिए 61 सीटें जरूरी हैं। नेतन्याहू की पार्टी लिकुड 27 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। मुख्य विपक्षी पार्टी याशार 21 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर है। लिकुड के गठबंधन की 53 और याशार के गठबंधन की 48 सीटें हैं। अरब पार्टियों को 19 सीटें मिली हैं। अब अगर याशार पार्टी अरब पार्टियों के साथ गठबंधन बनाती है तो उनके पास 67 सीटें हो जाएगी।

नेतन्याहू सभी विकल्पों पर विचार कर रहे : इजराइली मीडिया द्व24 न्यूज के मुताबिक, नेतन्याहू की पार्टी लिकुड के करीबी सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वे आइजनकोट के साथ गठबंधन की संभावना को भी खारिज नहीं कर रहे हैं,



जबकि सार्वजनिक रूप से वे साझा सरकार बनाने की योजना से इनकार कर चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक, नेतन्याहू को चिंता है कि आइजनकोट अरब पार्टियों और कट्टरपंथी यहूदी धार्मिक दलों के साथ मिलकर वैकल्पिक सरकार बना सकते हैं। इससे उन्हें सत्ता से हटना पड़ सकता है।

विपक्षी दलों का समर्थन लेना : नेतन्याहू विपक्षी गठबंधन में शामिल कुछ दलों या सांसदों को अपने साथ लाने की कोशिश कर सकते हैं। विपक्ष के पास कुल 48 सीटें हैं। अगर इनमें से कुछ दल या सांसद नेतन्याहू का साथ देने को तैयार हो जाते हैं, तो वे बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों का आंकड़ा हासिल कर सकते हैं।

चुनौती- विपक्षी नेताओं ने चुनाव में नेतन्याहू को सत्ता से हटाने का वादा किया था। ऐसे में उनके लिए अब नेतन्याहू का समर्थन करना आसान नहीं होगा।

राष्ट्रीय एकता सरकार बनाना : नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट और उनके सहयोगियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बना सकते हैं। इसमें अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक साथ आ सकती हैं। चुनौती- नेतन्याहू के कुछ सहयोगी भी इस विकल्प पर चर्चा कर चुके हैं। इससे नेतन्याहू को प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का मौका मिल सकता है। लेकिन आइजनकोट पहले ही नेतन्याहू के नेतृत्व का विरोध कर चुके हैं। ऐसे में दोनों के बीच सहमति बनना मुश्किल हो सकता है।

अल्पमत सरकार बनाना : नेतन्याहू अल्पमत सरकार बनाने का विकल्प भी चुन सकते हैं। ऐसी सरकार के पास अपने गठबंधन में 61 सांसद नहीं होते। इसके बावजूद वह संसद में दूसरे दलों के समर्थन या उनके विरोध न करने के भरोसे चल सकती है। चुनौती- ऐसी सरकार को बजट पास कराने, विश्वास मत जीतने और दूसरे जरूरी फैसलों के लिए बार-बार दूसरे दलों का समर्थन जुटाना पड़ता है। इसलिए अल्पमत सरकार बनाना ही नहीं, उसे लंबे समय तक चलाना भी मुश्किल होगा। आइजनकोट अरब पार्टियों जॉइंट लिस्ट और राअम के समर्थन से सरकार बना सकते हैं। विपक्षी गठबंधन की 48 और अरब पार्टियों की 19 सीटें मिलाकर उनके पास 67 सांसदों का समर्थन है। यह बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों से ज्यादा है। आइजनकोट और अरब पार्टियों के बीच कई नैतिक मतभेद हैं। साथ ही नेतन्याहू भी इसे देश के साथ गद्दारी बता चुके हैं।

रोहित-विराट 6 साल बाद न्यूजीलैंड में साथ खेलेंगे

कोहली ने यहां 50 की औसत से 596 रन बनाए, रोहित को अब भी शतक का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली फरवरी 2020 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर साथ खेलेंगे। दोनों आखिरी बार 29 फरवरी 2020 को हैमिल्टन में तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में उतरे थे। इसके बाद वे 4 नवंबर को पांच वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में एक साथ उतरेंगे। टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद अब दोनों सिर्फ वनडे खेल रहे हैं। ऐसे में यह सीरीज 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने का मौका है। यह दोनों का न्यूजीलैंड का आखिरी दौरा भी हो सकता है।

न्यूजीलैंड में कोहली का रिकॉर्ड रोहित से बेहतर – न्यूजीलैंड की पिचों पर तेज गेंदबाजों को हवा और उछाल से मदद मिलती है। गेंद स्विंग होने पर बल्लेबाजों के लिए उसे सही समय पर खेलना चुनौती बन जाता है। इन परिस्थितियों में विराट कोहली का रिकॉर्ड रोहित शर्मा से बेहतर रहा है। कोहली न्यूजीलैंड में 600 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 4 रन दूर हैं। उन्होंने वहां 13 वनडे में 596 रन बनाए हैं। उनका औसत 49.66 और स्ट्राइक रेट 91.41 है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 4 अर्धशतक लगाए हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड में 14 वनडे में 437 रन बनाए हैं।

भारत-न्यूजीलैंड पहला वनडे आज

15 हजार रन से 400 छक्कों तक, रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में बना सकते हैं 5 रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की रोमांचक वनडे सीरीज के लिए भारत तैयार है। इसका पहला मुकाबला आज (4 नवंबर) को ऑकलैंड में खेला जाएगा। इस सीरीज में रोहित शर्मा के पास कई रिकॉर्ड तोड़ने और नए मुकाम हासिल करने का मौका होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में घरेलू सीरीज में शानदार फॉर्म दिखाने वाले रोहित चाहेंगे कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ इन पांच वनडे मैचों में भी बेहतरीन प्रदर्शन करें। न्यूजीलैंड में खेले गए वनडे मैचों की बात करें तो रोहित शर्मा ने 14 मैचों की 13 पारियों में 36.41 के औसत से 437 रन बनाए हैं। इसमें चार अर्धशतक शामिल हैं। रोहित शर्मा के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच वनडे में 21 हजार अंतरराष्ट्रीय रन और वनडे में 400 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बनने का मौका होगा। यहां कुछ ऐसे रिकॉर्ड और मुकाम दिए गए हैं, जिन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ इन पांच वनडे मैचों के दौरान रोहित शर्मा हासिल कर सकते हैं:

21 हजार इंटरनेशनल रन – रोहित 21 हजार इंटरनेशनल रन पूरे करने से बस 348 रन दूर हैं।



उन्होंने 517 इंटरनेशनल मैचों की 550 पारियों में 42.66 के औसत से 20,652 रन बनाए हैं। इसमें 52 शतक और 113 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 264 रन है। न्यूजीलैंड में एक शतक लगाते ही रोहित शर्मा, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और शिखर धवन की उस सूची में शामिल हो जाएंगे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया इन सभी देशों में वनडे शतक लगाए हैं।

SENA देशों में 5,000 रन बनाने वाले पहले ओपनर – रोहित विदेश में एक बार फिर इतिहास रचने के करीब हैं। वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया देशों में 5,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले पहले भारतीय ओपनर बनने से सिर्फ 36 रन दूर हैं। रोहित ने 114 मैचों की 123 पारियों में 44.32 के औसत से 4,964 रन बनाए हैं, जिसमें 17 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 171 है।

जीत में 15 हजार अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बनने के करीब – रोहित शर्मा ने 327 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 340 पारियों में जीत के दौरान 51.62 के औसत से 14,817 रन बनाए हैं। इसमें 42 शतक और 79 अर्धशतक शामिल हैं। 183 रन और बनाते ही वह जीत में 15 हजार अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे। रिकी पोंटिंग (377 मैचों में 55 शतकों के साथ 20,140 रन), विराट कोहली (338 मैचों में 60 शतकों के साथ 18,589 रन) और सचिन तेंदुलकर (307 मैचों में 53 शतकों के साथ 17,113 रन) पहले ही इस क्लब का हिस्सा हैं।

वनडे में 400 छक्कों तक पहुंचने वाले पहले बल्लेबाज – रोहित शर्मा को वनडे में 400 छक्कों तक पहुंचने वाले पहले बल्लेबाज बनने के लिए 19 और छक्कों की जरूरत है। अभी उनके नाम वनडे में 381 छक्के दर्ज हैं। अगर वे 7 छक्के और लगा लेते हैं तो वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 700 छक्कों के आंकड़े तक भी पहुंच जाएंगे।

कोहली के पास वनडे में 7 रिकॉर्ड बनाने का मौका – भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज में विराट कोहली लिस्ट ए में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। उन्हें वनडे रन-चेज में सबसे ज्यादा रन बनाने के लिए 54 रन और चाहिए।

यशस्वी जायसवाल ने ठोकी धमाकेदार सेंचुरी

साई सुदर्शन फ्लॉप, देवदत्त पडिक्कल का नहीं खुला खाता



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड पहुंचकर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीन मैचों की सीरीज जारी है, जो कि अनाधिकारिक है। इसी के दूसरे मैच में यशस्वी जायसवाल ने धमाकेदार सेंचुरी ठोक दी है। हालांकि साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल का बल्ला नहीं चला। इस बीच भारत ने ?न्यूजीलैंड पर अच्छी बढ़त बना ली है।

यशस्वी जायसवाल ने 119 बॉल पर पूरी की अपनी सेंचुरी – यशस्वी जायसवाल ने भारत ए की ओर से खेलते हुए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की और अपना शतक पूरा किया। उन्होंने केवल 119 बॉल पर अपनी सेंचुरी पूरी कर ली। खास बात ये रही कि अपने आक्रामक अंदाज में जायसवाल ने छक्का लगाकर इस मुकाम को हासिल किया। शतक लगाने के बाद जायसवाल और भी ज्यादा आक्रामक हो गए और अपनी बल्लेबाजी जारी रखी। इससे पहले इसी सीरीज के पहले मैच में वे पहली पारी में 17 और दूसरी में केवल 5 रन बनाकर आउट हो गए थे, इसके बाद उन पर सवाल उठने शुरू हो गए थे, जो अब कुछ कम जरूर होंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का ऐलान, इसी महीने होगा भारत से मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की ओर से एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए टीम का ऐलान कर दिया गया है। टूर्नामेंट का आगाज 19 नवंबर से होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच भी मुकाबला होना है। भारतीय टीम का ऐलान पहले ही किया जा चुका है। पाकिस्तानी टीम की कमान अब्दुल समद को दी गई है। इस टूर्नामेंट में जहां एक ओर भारत की ए टीम हिस्सा लेगी, वहीं पाकिस्तानी शाहीन्स भी खेलती हुई नजर आएगी। सभी की नजर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले पर होगी।

इस बार 50 ओवर का होगा एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट – अब्दुल समद को एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए पाकिस्तानी टीम की कमान सौंपी गई है। ये टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट पर होगा, यानी 50 ओवर का मैच खेला जाएगा। पाकिस्तान ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। इसमें ज्यादातर ऐसे खिलाड़ी हैं, जो इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। टीम में हसन नवाज, हैदर अली, माज सदाकत,



शमील हुसैन और फरहान यूसुफ को भी शामिल किया गया है। टीम में गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहम्मद हसनैन, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद और सुफियान मुकीम के पास रहेगी।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम है डिफेंडिंग चैंपियन – इससे पहले पाकिस्तान शाहीन्स की टीम टी20 और वनडे फॉर्मेट वाला एशिया कप राइजिंग स्टार का? खिताब जीत चुकी है। साल 2023 में जब पिछली बार वनडे फॉर्मेट पर ये टूर्नामेंट हुआ था, तब पाकिस्तानी टीम ही चैंपियन बनी थी। इस बार पाकिस्तान को भारत, नेपाल और यूएई के ग्रुप में रखा गया है।

22 नवंबर को खेला जाएगा भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला

वैसे तो टूर्नामेंट का आगाज 19 नवंबर से हो जाएगा, लेकिन पाकिस्तानी टीम अपना पहला मैच 20 नवंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद आएगा सबसे बड़े मुकाबले का दिन। 22 नवंबर को भारत ए और पाकिस्तान शाहीन्स के बीच मैच होना है। इसके बाद टीम 25 नवंबर को नेपाल के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। दूसरे ग्रुप में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, हांगकांग और चीन की टीम में शामिल हैं। दोनों ग्रुप से दो टॉप की टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए पाकिस्तान शाहीन्स की टीम : अब्दुल समद (कप्तान), अहमद दानियाल, आकिफ़ जावेद, दानिश अजीज, फरहान यूसुफ़, हैदर अली, हसन नवाज, माज सदाकत, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद इमरान, रोहेल नजीर (विकेट कीपर), साद मसूद, शाहजैब खान, शमील हुसैन, सुफियान मुकीम।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए भारत ए की टीम : अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह (विकेट कीपर), तिलक वर्मा (कप्तान), रजत पाटीदार (उपकप्तान), रिंकू सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेट कीपर), सूर्यांश शेडगे, शाहबाज अहमद, विप्रज निगम, हर्ष दुबे, तनुश कोटियन, हर्षित राणा, प्रिंस यादव, अरशद खान।

ग्लेन मैक्सवेल ने 38 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले कुल 286 मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट जगत से एक बड़ी खबर सामने आई है। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने 38 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इसके साथ ही उनके शानदार इंटरनेशनल करियर का अंत हो गया। मैक्सवेल ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी, गेंदबाजी और बेहतरीन फील्डिंग से खेल जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी और उन्हें व्हाइट-बॉल क्रिकेट में दुनिया के सबसे खतरनाक खिलाड़ियों में गिना जाता था। वह हाल ही में ETPL में खेलते हुए नजर आए थे।

2012 में मैक्सवेल ने किया था इंटरनेशनल डेब्यू – ग्लेन मैक्सवेल ने साल 2012 में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वह अपनी ताबड़तोड़ और आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर बहुत



कम समय में ही क्रिकेट की दुनिया में अपना नाम बनाने में कामयाब रहे। उन्होंने 149 वनडे मैचों में कुल 3990 रन बनाए, जिसमें 4 शानदार शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। वनडे में उनका खेलने का तरीका बेहद आक्रामक था और उनका स्ट्राइक रेट 126.71 का रहा। ह्यूस्टन में उनका सबसे बड़ा स्कोर नाबाद 201 रन रहा, जो उन्होंने साल 2023 के वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ एक मुश्किल समय में ऐतिहासिक पारी खेलते हुए बनाया था।

वनडे में मैक्सवेल का प्रदर्शन रहा शानदार – मैक्सवेल सिर्फ एक शानदार बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि एक बेहतरीन ऑफ स्पिनर भी थे। उन्होंने वनडे में 77 और टी20 इंटरनेशनल में 51 विकेट हासिल किए थे। इसके अलावा फील्डिंग में भी उन्होंने कमाल किया था। उन्हें अपने दौर के सबसे बेहतरीन फील्डरों में गिना जाता था। टी20 क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने 130 मैचों में 2897 रन बनाए, जिसमें 5 शतक और 12 अर्धशतक शामिल हैं। इस फॉर्मेट में उनका स्ट्राइक रेट 154 से भी ज्यादा का था। वहीं टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 7 मैच खेलकर 1 शतक की मदद से कुल 339 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए वह कुल 286 इंटरनेशनल मैच खेलने में कामयाब रहे।

आईपीएल में भी कई फ्रेंचाइजी के लिए खेल चुके हैं मैक्सवेल – इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ-साथ फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी ग्लेन मैक्सवेल का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। आईपीएल में भी मैक्सवेल का जलवा खूब देखने को मिला। उन्होंने आईपीएल में 141 मैच खेलकर 2819 रन बनाए। मैक्सवेल दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और आरसीबी जैसी बड़ी टीमों के लिए खेल चुके हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की 2015 और 2023 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का भी अहम हिस्सा रहे थे।

प्रेमा रावत ने तोड़ा पाकिस्तानी खिलाड़ी का वर्ल्ड रिकॉर्ड

14 गेंदों में फिफ्टी जड़कर रचा इतिहास



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर प्रेमा रावत ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। भारतीय सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में उत्तराखंड टीम की तरफ से खेलते हुए प्रेमा ने आतिशी बल्लेबाजी करते हुए मात्र 14 गेंदों में ही 50 रन ठोक डाले। इस तरह प्रेमा ने पाकिस्तानी खिलाड़ी फातिमा सना का पुराना रिकॉर्ड तोड़कर यह नया कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है।

फातिमा सना ने 15 गेंदों में लगाया था अर्धशतक – इससे पहले महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी बनाने का रिकॉर्ड फातिमा सना के नाम था, जिन्होंने 15 गेंदों पर फिफ्टी बनाई थी। अब प्रेमा रावत ने सिर्फ 14 गेंदों में यह कमाल करके पूरी दुनिया में अपना और देश का नाम रोशन कर दिया है। आपको बता दें कि प्रेमा ने अपनी इस आतिशी पारी में 50 में से 48 रन सिर्फ चौकों और छक्कों से ही बना डाले। प्रेमा ने इस पारी में 357.14 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और एक नया इतिहास रच दिया।

उत्तराखंड ने 89 रनों से जीता मुकाबला – मैच की बात करें तो, प्रेमा रावत की शानदार पारी की बदौलत उत्तराखंड की टीम ने 20 ओवरों में सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम पूरे ओवर खेलने के बाद भी सिर्फ 98 रन ही बना पाई। इस तरह उत्तराखंड ने यह मैच 89 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया। प्रेमा रावत के अलावा उत्तराखंड की तरफ से राघवी बिस्ट ने नाबाद 72 रन और करीना ने 44 रनों की बेहतरीन पारियां खेलीं। वहीं नीलम भारद्वाज ने 19 रनों का योगदान दिया। हैदराबाद के खिलाफ इस मैच में प्रेमा रावत ने गेंदबाजी में भी अपने योगदान दिया। प्रेमा रावत ने इस मैच में 2 विकेट चटकाए। प्रेमा ने अपने 4 ओवर के कोटे में सिर्फ 12 रन देकर ये 2 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, निशा और सफीना को भी 2-2 विकेट मिले, जबकि पूजा राज और करीना ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

भारत के लिए 7 टी-20 मैच खेल चुकी हैं प्रेमा रावत – आपको बता दें कि प्रेमा रावत एक गेंदबाज हैं, वह एक स्पिन बॉलर हैं। लेकिन इस मैच में उन्होंने बल्लेबाजी में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। 24 साल की यह खिलाड़ी भारत के लिए अब तक 7 टी20 मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 7 विकेट भी लिए हैं। इसी साल जून में उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, और हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में भी वह भारतीय टीम का हिस्सा थीं।

ICC ODI रैंकिंग में अफगानिस्तान ने पहली बार टॉप-6 में बनाई जगह

श्रीलंका-इंग्लैंड को छोड़ा पीछे, भारत नंबर 1 पर



नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान की टीम ने वनडे रैंकिंग में एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है। साल 2009 में अपना पहला वनडे मैच खेलने वाली इस टीम ने पहली बार आईसीसी की वनडे रैंकिंग में टॉप-6 में जगह बना ली है। खास बात यह है कि बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर अफगानिस्तान ने श्रीलंका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज जैसी पूर्व वर्ल्ड चैंपियन टीमों को पीछे छोड़ते हुए टॉप-6 में पहली बार जगह बनाने में कामयाब रही है। अफगानिस्तान ने पिछले महीने यूएई में वनडे ट्राई सीरीज जीती थी। हाल ही में इस टीम ने हांगकांग सुपर सिक्सेस का खिताब अपने नाम किया था।

अब तक 96 वनडे मैच जीत चुकी है टीम इंडिया – साल 2009 में वनडे क्रिकेट में कदम रखने के बाद से अफगानिस्तान ने इस फॉर्मेट में कुल 191 मैच खेले हैं, जिसमें से उसने 96 मैचों में जीत हासिल की है। इन 17 सालों के शानदार सफर और बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर ही आज अफगानिस्तान की टीम रैंकिंग में मजबूत स्थिति में पहुंच पाई है। दूसरी तरफ श्रीलंकाई टीम के भी रैंकिंग में 94 अंक हैं, लेकिन वह खिसककर सातवें स्थान पर आ गई है। श्रीलंका को लाहौर में हुई वनडे ट्राई सीरीज के फाइनल में तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। फाइनल से पहले भी उसे इंग्लैंड के हाथों 55 रनों से शिकस्त मिली थी। इसके अलावा, रैंकिंग में इंग्लैंड 93 अंकों के साथ आठवें, बांग्लादेश 81 अंकों के साथ नौवें और वेस्टइंडीज 79 अंकों के साथ दसवें स्थान पर है।

वनडे रैंकिंग में टॉप पर है टीम इंडिया – मेंस वनडे रैंकिंग में भारत पहले नंबर पर बना हुआ है और 115 अंकों के साथ टॉप पर है। भारत ने अपनी पिछली वनडे सीरीज घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली थी। अब उसे 4 नवंबर से न्यूजीलैंड में पांच मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इस रैंकिंग में न्यूजीलैंड 109 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि साउथ अफ्रीका (104 अंक) तीसरे, पाकिस्तान (104 अंक) चौथे और ऑस्ट्रेलिया (102 अंक) पांचवें नंबर पर हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकटों की मांग फाइनल से भी ज्यादा

वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीटें 34 हजार, आवेदन आए 84 लाख; जोहान्सबर्ग में मुकाबला

नई दिल्ली। वनडे वर्ल्ड कप 2027 में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। 10 अक्टूबर के इस मैच के टिकटों के लिए 84 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं। जोहान्सबर्ग के स्टेडियम की दर्शक क्षमता सिर्फ 34 हजार है। यानी उपलब्ध सीटों के मुकाबले करीब 247 गुना ज्यादा आवेदन आए हैं।

फाइनल के लिए भी 79 लाख आवेदन – टिकटों की मांग के मामले में भारत-पाकिस्तान मुकाबला पहले नंबर पर है। आईसीसी के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान मैच के लिए कुल 83,97,294 टिकट आवेदन मिले हैं। 21 नवंबर को इसी स्टेडियम में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल के लिए 79,00,944 रजिट्रेशन हुए हैं।

21 नवंबर तक टिकट के लिए रजिस्ट्रेशन होंगे – वर्ल्ड कप के टिकटों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 21 नवंबर 2026 तक जारी रहेगी। इसमें पहले रजिस्ट्रेशन होगा और मांग ज्यादा होने पर कंप्यूटराइज्ड रैंडम लॉटरी से टिकट खरीदने के लिए आवेदकों का चयन किया जाएगा। यह पहले आओ-पहले पाओ वाला सिस्टम नहीं है।

193 देशों से मिले 12 करोड़ आवेदन – आईसीसी को अब तक टूर्नामेंट के लिए 193 देशों से 12 करोड़ से ज्यादा टिकट आवेदन मिले हैं। साउथ अफ्रीका में होने वाले 41 मैचों के लिए ही 10.5 करोड़ से ज्यादा आवेदन मिले हैं। इनमें मेजबान टीम के मैचों के लिए करीब 2.6 करोड़ आवेदन आए हैं।

24 साल बाद अफ्रीका में होगा वर्ल्ड कप – वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी धरती पर लौटेगा। साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से इसकी मेजबानी करेंगे। टूर्नामेंट में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और 12 वेन्यू पर कुल 57 मैच खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप के लिए 12 वेन्यू में से 8 साउथ अफ्रीका, 3 जिम्बाब्वे और 1 नामीबिया में है। नामीबिया पहली बार मेंस के सीनियर वर्ल्ड कप के मैचों की मेजबानी करेगा।

'सुबह उठकर सोचता हूं आखिर इतनी मेहनत क्यों करूं'

टीम इंडिया से नजरअंदाज किए जाने पर छलका सरफराज खान का दर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया से बाहर चल रहे घरेलू क्रिकेट के धुरंधर बल्लेबाज सरफराज खान ने एक बार फिर अपनी निराशा खुलकर जाहिर की है। रेलवे के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले के पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अब सुबह उठकर उनके मन में यही सवाल आता है कि जब टीम में मौका ही नहीं मिलना है, तो वह इतनी कड़ी मेहनत क्यों कर रहे हैं। सरफराज ने बताया कि वह रोज सुबह 5 बजे उठकर अपनी पुरानी रूटीन को फॉलो करते हैं। वह भारत के लिए खेल चुके हैं और मुंबई के लिए लगातार रन बना रहे हैं, लेकिन फिर भी टीम में वापसी का इंतजार लंबा होता जा रहा है।



पिता से मिलती है आगे बढ़ने की प्रेरणा – न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से सरफराज ने बताया कि मुश्किल समय और निराशा के दौर में उनके पिता नौशाद खान ही उनकी सबसे बड़ी ताकत और प्रेरणा हैं। सरफराज का कहना है कि जब कभी उनके मन में यह सवाल उठता है कि वह इतनी मेहनत क्यों करें, तब वह अपने पिता को कड़ी मेहनत करते हुए देखते हैं। पिता को देखकर उन्हें फिर से मैदान पर उतरने और उनके लिए रन बनाने की प्रेरणा मिल जाती है। अपनी प्रैक्टिस के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी को उनसे मिलना हो तो उसे घर जाने की जरूरत नहीं है, वह सुबह 6 बजे सीधे आजाद मैदान या क्रॉस मैदान पहुंच जाए, सरफराज वहीं मिलेंगे।

चयनकर्ताओं को सिर्फ घरेलू पिचों के लिए उपयोगी लगती है मेरी सेवाएं- सरफराज

फरवरी 2024 में भारत के लिए टेस्ट डेब्यू करने वाले सरफराज ने अब तक अपने सभी छह टेस्ट मैच देश में यानी घरेलू मैदानों पर ही खेले हैं। उन्होंने एक चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि टीम मैनेजमेंट उनकी सेवाएं सिर्फ भारत की घरेलू पिचों पर ही देख रहा है, हालांकि चयनकर्ताओं ने उन्हें इस बारे में सीधे तौर पर कुछ नहीं बताया है। विदेशी दौरों पर मौका न मिलने पर हैरानी जताते हुए सरफराज ने साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के दौरों का जिक्र किया, जहां उन्होंने 'इंडिया ए' की तरफ से खेलते हुए अभ्यास मैचों में शानदार शतक जड़े थे।

टाइगर श्रॉफ गोलीबारी केस : करनाल से महिला गिरफ्तार, कुल 13 आरोपी हिरासत में

मुंबई, एजेंसी। मुंबई अपराध शाखा ने अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुई गोलीबारी के मामले में हरियाणा के करनाल से एक महिला को गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी के साथ, मामले में अब तक कुल 13 लोगों को हिरासत में लिया है। मुंबई पुलिस के अधिकारी ने बताया कि 22 वर्षीय आरोपी महिला को करनाल से पकड़ा गया। हालांकि, अपराध में उसकी विशिष्ट भूमिका का अभी तक खुलासा नहीं किया गया है। और महिला को मुंबई लाने की कानूनी प्रक्रिया जारी है। यह घटना 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में हुई थी, जब टाइगर श्रॉफ एक फुटबॉल मैदान से बाहर निकल रहे थे। गोलीबारी में अभिनेता बाल-बाल बच गए थे, लेकिन उनके कार चालक और पास खड़े एक ब्लॉगर घायल हो गए थे। गिरफ्तार किए गए कुल आरोपियों में अब तीन महिलाएं शामिल हैं।

चक्रवात मुरासु : ओडिशा में बारिश, 1.60 लाख लोग सुरक्षित

भुवनेश्वर, एजेंसी। आंध्रप्रदेश के तट पर गंभीर चक्रवाती तूफान मुरासु के टकराने के बाद ओडिशा के दक्षिणी जिलों में हल्की बारिश दर्ज हुई है। राज्य सरकार ने किसी भी प्रतिकूल मौसम स्थिति से निपटने के लिए सभी जिलाधिकारियों को तैयार रहने का निर्देश दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा भारी बारिश और तेज हवाओं के पूर्वानुमान को देखकर दक्षिण क्षेत्र के पांच जिलों से 1.60 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और आपदा प्रतिक्रिया टीमों को तैनात किया गया है। ओडिशा के आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बताया कि कोरापुट, मलकानगिरि, कंधमाल और कालाहांडी सहित कई जिलों से हल्की बारिश की सूचना है। उन्होंने कहा कि राज्य लगातार हाई अलर्ट पर है, क्योंकि पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन ओडिशा के लिए एक बड़ी चुनौती है। मंत्री पुजारी ने लोगों से अपील की है कि वे मौसम सामान्य होने तक आश्रय स्थलों में ही रहें। मुरासु के कारण आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में हजारों पेड़ उखड़ गए हैं, बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हुए हैं और मछुआरों की नौकाओं को भी नुकसान पहुंचा है।

प्रशासनिक और न्यायिक व्यवस्था ने लोगों की स्थिति को कॉकरोच जैसा बना दिया

- हवाई किराए में बेतहाशा वृद्धि और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर भड़के सौरभ दास

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में हवाई जहाजों के किराए में हुई बेतहाशा वृद्धि के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार करने के बाद देश में बयानबाजी तेज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नेता सौरभ दास ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकालते हुए कहा कि देश की मौजूदा प्रशासनिक और न्यायिक व्यवस्था ने आम नागरिकों की स्थिति को कॉकरोच जैसा बना दिया है। दरअसल, त्योहारी सीजन में कई प्रमुख हवाई मार्गों पर टिकट की दरों में सात सौ फीसदी तक की भारी बढ़ोतरी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका पर जल्द सुनवाई का अनुरोध किया गया था। इस मामले की सुनवाई में न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति ए सिंह की पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए टिप्पणी की थी कि लोग हवाई यात्रा न करें। सुप्रीम कोर्ट के इस बयान से आहत होकर सौरभ दास ने प्रकाशित खबरों का हवाला देते हुए लिखा कि आम जनता आज चौतरफा समस्याओं से घिरी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर जहरीला वायु प्रदूषण है तो सांस मत लो, सड़कों पर गड्ढे हैं तो चलो मत, पेट्रोल महंगा है तो गाड़ियां मत चलाओ, पेपर लीक हो रहे हैं तो परीक्षाएं मत दो और अगर मीडिया समाज को बांट रहा है तो टीवी देखना बंद कर दो। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी में नौकरी मत खोजो, यह पूरी व्यवस्था ही नागरिकों को विवश कर रही है।

कांग्रेस के साथ जो जाता है, डूब जाता है: शिवराज सिंह चौहान

लखनऊ , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान के तहत मंगलवार को एनडीए गठबंधन ने लखनऊ में पदयात्रा निकाली। इसमें हजारों की संख्या में भाजपा और सहयोगी दलों के कार्यकर्ता शामिल हुए। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में निकली इस पदयात्रा में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ एनडीए के सहयोगी दलों के प्रमुख नेता भी शामिल हुए। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा।

पदयात्रा के दौरान केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने भाजपा को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि आपने हमें छेड़ दिया है। आज हजारों की संख्या में कार्यकर्ता लोकतंत्र बचाने और अराजकता हटाने के लिए सड़कों पर उतरे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उनके मुताबिक, देश में 49 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं और प्रधानमंत्री ने दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हो रहा है, लेकिन कांग्रेस को यह पसंद नहीं आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब विपक्ष चुनावी मैदान में मुकाबला नहीं कर पाता तो झूठ फैलाकर देश को गुमराह करने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन लगातार इसी चिंता में लगा है कि नरेंद्र मोदी को कैसे हराया जाए।

इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कई राज्यों में लंबे समय से सत्ता से बाहर है। तमिलनाडु से लेकर उत्तर प्रदेश तक कांग्रेस की राजनीतिक जमीन कमजोर हुई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी ऐसी पार्टी और नेता हैं, जिनके साथ जो जाता है, वह भी डूब जाता है। डूबने के अलावा इनके पास कोई दूसरा रास्ता नहीं है। शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि चुनाव नहीं जीत पाने के कारण कांग्रेस और इंडी गठबंधन लोकतंत्र को गुंडातंत्र और लूटतंत्र में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने देश के बंटवारे के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि 1905 में लॉर्ड कर्जन और 1947 में मोहम्मद अली जिन्ना ने देश को बांटने का प्रयास किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और इंडी गठबंधन भी इसी तरह की कोशिश कर रहे हैं। चौहान ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता देश को बांटने और विदेशी ताकतों के इशारे पर भारत विरोधी नैरेटिव चलाने की कोशिशों को सफल नहीं होने देगा।

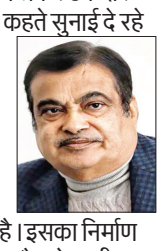


मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मृतकों, दूसरी जगह जा चुके लोगों और फर्जी व डुप्लीकेट नामों को मतदाता सूची से हटाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि करीब एक करोड़ फर्जी और डुप्लीकेट नाम हटाए गए हैं। उनके मुताबिक, इससे विपक्ष परेशान है, क्योंकि वह घुसपैठियों के सहारे सरकार बनाना चाहता है। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए देश के हित में काम करते हैं, जबकि इंडी गठबंधन घुसपैठियों के पक्ष में खड़ा है।

घटिया काम करने पर शर्म आनी चाहिए, गडकरी ने ठेकेदार को लगाई फटकार

- केंद्रीय मंत्री मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क की आधारशिला रखने गए थे वर्धा

वर्धा, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह महाराष्ट्र के वर्धा जिले में घटिया सड़क निर्माण को लेकर एक ठेकेदार को फटकार लगाते नजर आ रहे हैं। वीडियो में गडकरी सड़क निर्माण में घटिया काम करने को लेकर ठेकेदार को फटकार लगाते दिखाई दे रहे हैं। गडकरी ठेकेदार से कहते सुनाई दे रहे हैं कि उसे ''इतना घटिया काम करने पर शर्म आनी चाहिए।'' केंद्रीय मंत्री ने ठेकेदार को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी और सड़क की मरम्मत तत्काल कराने के निर्देश दिए। यह घटना रविवार की बताई जा रही है, जब गडकरी ने वर्धा जिले के सिंदी शहर में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क की आधारशिला रखी थी। यह परियोजना 150.42 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही है। इसका निर्माण महाराष्ट्र एमएमएलपी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिक्स प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जेएनपीए) का संयुक्त उद्यम है।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गडकरी के कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि पूरी तरह विकसित होने के बाद यह पार्क सड़क और रेल के जरिये माल ढुलाई को सुगम बनाएगा। इससे रसद लागत और परिवहन में लगने वाला समय कम होगा, आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस परियोजना से रोजगार के अवसर पैदा होंगे और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। साथ ही इससे भारत की व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम से इतर एक स्थानीय विधायक ने वर्धा की एक सड़क के निर्माण कार्य की गुणवत्ता खराब होने की शिकायत केंद्रीय मंत्री गडकरी से की।

नवीन पटनायक के गुमशुदा पोस्टर से ओडिशा में सियासी घमासान

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा की राजनीति में एक नया सियासी घमासान शुरू हुआ है, जब गंजाम जिले के हिंजिली में पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधायक नवीन पटनायक के गुमशुदा होने के पोस्टर लगे। इस घटना ने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी बीजू जनता दल के बीच आरोप-प्रत्यारोप का एक नया दौर छेड़ दिया है। पोस्टर सामने आने के बाद कई सवाल उठ रहे हैं.....आखिर इन पोस्टरों के पीछे कौन है और इसका असली मकसद क्या है? माना जा रहा है कि इन पोस्टरों का संबंध चक्रवात और हाल ही में आई भीषण बाढ़ के बाद हिंजिली विधानसभा क्षेत्र में पूर्व सीएम पटनायक की कथित गैरमौजूदगी से है। पटनायक हिंजिली सीट से विधायक हैं, और उस समय में जब गंजाम जिले में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ था और राज्य को भारी बाढ़ का सामना करना पड़ा था (जिससे 13 लाख लोग प्रभावित हुए थे), उनकी क्षेत्र में अनुपस्थिति को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, पोस्टर लगाने वालों की पहचान अभी तक उजागर नहीं हुई है, और न ही किसी व्यक्ति या संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली है, जिससे इसके पीछे का वास्तविक उद्देश्य अस्पष्ट बना हुआ है। इस घटना ने भाजपा और बीजेडी के बीच राजनीतिक बयानबाजी को तेज किया है। सत्ताधारी भाजपा पूर्व सीएम पटनायक की हिंजिली में कथित अनुपस्थिति पर लगातार सवाल उठा रही है, जबकि विपक्षी बीजेडी अपने नेता का बचाव कर रही है। बीजेडी का कहना है कि पटनायक ने पार्टी नेताओं और प्रशासन के साथ समन्वय के माध्यम से राहत और सामान्य स्थिति बहाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फिलहाल, सबसे बड़ा सवाल यही बना हुआ है कि इन गुमशुदा पोस्टरों के पीछे किसका हाथ है और इसका राजनीतिक या अन्य क्या मकसद है। लेकिन इतना तय है कि हिंजिली में लगे इन पोस्टरों ने ओडिशा की राजनीति में चक्रवात के बाद राहत कार्यों और जनप्रतिनिधियों की भूमिका को लेकर एक नई बहस को केंद्र में ला दिया है।

राजधानी दिल्ली में पटाखों की अवैध बिक्री पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

नई दिल्ली, एजेंसी । सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में पटाखों की अवैध बिक्री पर केंद्र सरकार से तत्काल एक्शन लेने को कह दिया है। पटाखों की ब्रिकी पर पाबंदी के बावजूद राजधानी के बाजारों में विभिन्न प्रकार के पटाखों की धड़ल्ले से बिक्री पर न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अखबार की खबर का संज्ञान लेकर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि न्यायालय के आदेशों का पूरी तरह से अनुपालन किया जाए।



न्यायमूर्ति सुंदरेश ने कहा, आज की खबर में एक तस्वीर है, जिसमें दिखाया गया है कि हमारे आदेश के बावजूद दुकानों में सब कुछ उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि बाजार में हर तरह के पटाखे उपलब्ध हैं, चाहे वे लाइसेंस प्राप्त हों या बिना लाइसेंस वाले, उन पर क्यूआर कोड हो या नहीं। न्यायालय ने इस स्थिति पर तुरंत ध्यान देने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में दीपावली (7 और 8 नवंबर) पर सुबह छह से सात बजे और रात आठ से 10 बजे तक केवल हरित पटाखे फोड़ने की अनुमति दी थी। हालांकि, न्यायालय ने अपने 29 अक्टूबर के आदेश में कहा था कि पूर्ण प्रतिबंध आदर्श समाधान प्रतीत होता है, लेकिन वर्तमान में उसके पास इतने आंकड़े नहीं हैं कि यह तय किया जा सके कि प्रदूषण की समस्या के लिए पूर्ण प्रतिबंध ही सबसे बेहतर विकल्प है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पटाखों से होने वाले प्रदूषण की समस्या पर चिंता जताकर कहा कि किसी व्यक्ति को किसी विशेष गतिविधि में शामिल होने का अधिकार, भले ही उसका धार्मिक पहलू हो, पूर्ण नहीं है और यह संवैधानिक पाबंदियों से आगे नहीं हो सकता। न्यायालय ने पहले के निर्देशों को लागू करने में अधिकारियों द्वारा बरती गई ढिलाई पर नाराजगी जाहिर की है। पीठ ने स्पष्ट किया कि 9 नवंबर से पटाखों पर पहले लगाया गया पूर्ण प्रतिबंध फिर से लागू हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने निर्देश दिया है कि अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित ध्वनि निषेध क्षेत्रों के 300 मीटर के दायरे में पटाखे नहीं फोड़े जाएंगे। इन क्षेत्रों को पटाखा-मुक्त क्षेत्र घोषित किया जाएगा और उनकी विधिवत निशानदेही की जाएगी।

अनिश्चितकालीन धरनों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: सार्वजनिक स्थान घेरना गलत

केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर मांगा जबाव

नई दिल्ली , एजेंसी। अनिश्चितकालीन धरनों पर सख्त रुख दिखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए हैं। यह कार्रवाई मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों पर दिल्ली पुलिस की सख्ती को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान की गई। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कोई भी समूह विरोध प्रदर्शन के लिए किसी सार्वजनिक स्थान पर अनिश्चित काल तक कब्जा करके नहीं बैठ सकता। यह टिप्पणी मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत, और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस जेवी मोहना की पीठ ने की। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट की पीठ किराना कमिटी दिल्ली की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें त्यौहारों के दौरान विरोध प्रदर्शनों पर रोक लगाने की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान विरोध करने के अधिकार, पुलिस की कथित ज्यादतियों, सार्वजनिक स्थानों पर पाबंदियों और प्रदर्शनों का व्यापार पर पड़ने वाले असर को लेकर तीखी बहस हुई।

दिल्ली व्यापारी संघों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शनों के कारण होने वाली बाधाओं पर गहरी चिंता जाहिर की। उन्होंने तर्क दिया कि विरोध-प्रदर्शनों से व्यावसायिक गतिविधियों को भारी नुकसान होता है, खासकर त्यौहारी सीज़न में हुआ नुकसान कारोबारी को ज्यादा तकलीफ देता है। वरिष्ठ अधिवक्ता रोहतगी ने अदालत से कहा कि कनॉट प्लेस और आसपास के इलाकों में दुकानें बंद रहीं, जिससे व्यापारियों को करोड़ों का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि अब किसी अलग तरह के समाधान (आउट-ऑफ-द-बॉक्स सॉल्यूशन) के बारे में सोचना होगा, क्योंकि यह सिर्फ जंतर-मंतर पर कुछ लोगों के बैठने का मामला नहीं, बल्कि आसपास रहने वाले 50 लाख लोगों और उनके कारोबार से जुड़ा हुआ मुद्दा है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने दिल्ली पुलिस द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत जारी आदेशों को अदालत में अलग से पेश न करने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अपनी कार्रवाई के पक्ष में तर्क दिए हैं, लेकिन संबंधित आदेश रिकॉर्ड पर नहीं हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मोदी सरकार के पांचवें हलफनामे में यह जानकारी मौजूद है, जिसमें हेबियस कॉर्पस याचिकाएं, पत्रकार, वकील और जंतर-मंतर को डीनोटिफाई करने जैसे



मामले शामिल हैं। गुरुस्वामी ने इस हलफनामे की एक प्रति की मांग की। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि बंद का आह्वान करने वालों को इसके नतीजों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। जस्टिस बागची ने पूछा कि क्या विरोध-प्रदर्शन के आयोजकों को कानूनी कार्यवाही में पक्षकार बनाया गया है, जिस पर रोहतगी ने उन्हें भी शामिल करने की बात कही। सुप्रीम कोर्ट अब इस जटिल मामले में विरोध प्रदर्शन के मौलिक अधिकार और सार्वजनिक व्यवस्था व आर्थिक गतिविधियों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहा है।

उमर पर निशाना साध रुहुल्लाह मेहदी ने छोड़ी नेशनल कॉन्फ्रेंस

-सांसद पद से भी इस्तीफे का ऐलान कर बोले- उमर ने भाजपा के सामने घुटने टेक दिए

श्रीनगर, एजेंसी । जम्मू-कश्मीर की राजनीति में मंगलवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। श्रीनगर से लोकसभा सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) छोड़ने और सांसद पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। बडगाम के जहरा पार्क में अपने पिता की पुण्यतिथि पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि उमर अब्दुल्ला ने भाजपा के सामने घुटने टेक दिए हैं और 2024 के विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं।



रुहुल्लाह मेहदी ने विशेष रूप से अनुच्छेद 370 और 35ए का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जिन मुद्दों को लेकर पार्टी ने जनता से समर्थन मांगा था, उन पर अपेक्षित कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने कहा, वादे कुर्सियों से कहीं बड़े होते हैं। जनसभा स्थल और उनके आवास के बाहर लगाए गए बैनरों पर भी यही संदेश प्रमुखता से दिखाई दिया। एक अन्य बैनर पर चरित्र की राजनीति, सिद्धांतों की राजनीति लिखा था।

कुर्सी और सत्ता को लेकर उमर पर तंज

मुख्यमंत्री उमर पर निशाना साधते हुए मेहदी ने कहा कि कुछ लोगों ने सत्ता हासिल करने के लिए मतदाताओं के सामने अपनी टोपियां उतार दीं, लेकिन उन्हें जनता के वास्तविक सम्मान का अर्थ समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस कुर्सी पर आज कुछ नेता बैठे हैं, उसमें सत्ता तो है, लेकिन सम्मान नहीं है। उन्होंने अपने भाषण में कहा, मैं अपना सिर केवल सर्वशक्तिमान अल्लाह के सामने झुकाता हूं। मेरी प्रार्थना है कि मुझे कभी किसी और के सामने अपनी टोपी और पगड़ी न झुकानी पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि आमतौर पर लोग कुर्सी छिनने पर दुखी होते हैं, लेकिन वे खुद कुर्सी छोड़ने का फैसला कर रहे हैं और इससे खुश हैं।

तीन बार विधायक और पहली बार बने थे सांसद

आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी ने वर्ष 2002 में बडगाम विधानसभा सीट से पहली बार जीत दर्ज की थी। इसके बाद वह तीन बार विधायक चुने गए। वर्ष 2009 से 2014 तक उमर अब्दुल्ला की सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने श्रीनगर सीट से जीत हासिल कर पहली बार संसद में प्रवेश किया था। उनके इस्तीफे के ऐलान से नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर राजनीतिक समीकरणों को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है।

महाराष्ट्र की पांच अदालतों को बम की धमकी, गहन तलाशी के बाद झूठी निकली

मुंबई , एजेंसी । महाराष्ट्र के पुणे, ठाणे, हिंगोली, बीड और नांदेड जिलों की जिला एवं सत्र अदालतों को परिसर में बम विस्फोट करने की धमकी वाले ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। इन धमकियों से राज्यभर में सुरक्षा को लेकर पुलिस ने तुरंत बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, विस्तृत जांच और बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) तथा श्वान दस्ते की गहन तलाशी के बाद किसी भी अदालत परिसर से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, और इन सभी धमकियों को झूठा घोषित किया गया। ठाणे शहर में अदालत की इमारत को दोपहर में ही खाली कराया गया था, क्योंकि कार्यालय को एक संदेश मिला था कि दोपहर साढ़े तीन बजे बम विस्फोट होगा। न्यायाधीशों, वकीलों और अन्य कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद, पुलिस ने पूरे परिसर की गहन तलाशी ली। पुणे में शिवाजीनगर अदालत परिसर को भी इसी तरह के ईमेल के बाद खाली कराया गया और बीडीडीएस टीम ने संभावित संदिग्ध वस्तु की तलाश की।

राहुल गांधी से मिल, सिद्धारमैया ने स्टिंग वीडियो मामले में जारी जांच पर जाहिर की नाराजगी

नई दिल्ली, एजेंसी । कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर कथित स्टिंग वीडियो मामले में चल रही जांच पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। सूत्रों के मुताबिक, सिद्धारमैया ने आरोप लगाया कि उनकी ही पार्टी के कुछ नेता उनकी छवि खराब करने वाले मनगढ़ंत वीडियो को बनाने में शामिल हैं।



उन्होंने पुलिस जांच के तरीके पर असंतोष जताया, उनका कहना था कि पुलिस केवल वीडियो अपलोड करने वाले की तलाश कर रही है, जबकि इसके असली निर्माताओं का पता लगाने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। पूर्व सीएम सिद्धारमैया ने इस फैब्रिकेटेड वीडियो को अपनी छवि धूमिल करने की साजिश बताया और राहुल गांधी से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने का आग्रह किया।

ज्ञात हो कि सितंबर में यूट्यूब पर दो वीडियो अपलोड किए गए थे, जिसमें सिद्धारमैया के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए थे। इसके बाद उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया और मीडिया को उन पर रिपोर्टिंग से रोकने का आदेश प्राप्त किया। साथ ही, उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कर जांच की मांग भी की थी।

हालिया जांच में सामने आया है कि स्टिंग ऑपरेशन में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन दिल्ली से खरीदा गया था। बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी रितेश पांडे ने बताया कि विनोद शर्मा और उन्होंने प्रज्वल प्रसाद के निर्देश पर करोल बाग से फोन खरीदा और दिल्ली में केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के सरकारी आवास पर प्रज्वल को सौंपा। दिल्ली के निवासी पांडे को 24 अक्टूबर को वीडियो अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

इंडगो के बेड़े में दिसंबर 2027 तक 14 संकरे ए321 एक्सएलआर विमान शामिल होंगे

कम दूरी पर मुख्य फोकस, पर 2028 से ए350 से लंबी दूरी की तैयारी

नई दिल्ली ।

इंडिगो अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का जाल फैलाने की बड़ी तैयारी में है। इं डिगो के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने मंगलवार को बताया कि दिसंबर 2027 तक उसके बेड़े में कुल 14 संकरे ए321 एक्सएलआर विमान शामिल होने की उम्मीद है, जो लंबी दूरी तय कर सकते हैं। उन्होंने एविएशन इंडिया एंड साउथ एशिया 2026 में यह भी खुलासा किया कि कंपनी का लक्ष्य 2030 तक 600 विमानों का बेड़ा तैयार करना है। अ धिकारी ने बताया कि फिलहाल ऐसे चार विमान बेड़े में हैं और इस साल एक और जोड़ा जाएगा। इन अधिक क्षमता वाले विमानों से विदेशों में नए गंतव्य जुड़ेंगे। उन्होंने दोहराया कि विमानन कंपनी का ध्यान कम दूरी की उड़ानों पर ही बना रहेगा। बोइंग 787 का परिचालन बंद कर चुकी इंडिगो को 2028 की दूसरी तिमाही से ए350-900 विमान मिलने शुरू होंगे। हालांकि, उन्होंने चेताया कि ए350 के उत्साह में कंपनी को अपनी कम दूरी की कुशल उड़ानों पर से ध्यान नहीं भटकना चाहिए। इंडिगो को उम्मीद है कि 2030 तक उसके बेड़े में 600 विमान होंगे (फिलहाल 440 से अधिक)। उन्होंने हवाई अड्डों से प्रभावी साझेदारी व निवेश पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही, साथ ही उनके ऊंचे शुल्क-करों की आलोचना भी की।

अब दुबई और सिंगापुर में यूपीआई से भुगतान संभव

बुर्ज खलीफा और यूनिवर्सल स्टूडियो जैसे प्रमुख स्थलों पर मिलेगी भुगतान की सुविधा

नई दिल्ली ।

भारतीय पर्यटक अब दुबई और सिंगापुर जैसे लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में भारतीय पेमेंट मोड यूपीआई के जरिए आसानी से भुगतान कर सकेंगे। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में इस नई सुविधा की जानकारी दी है, जिसका मुख्य उद्देश्य विदेश यात्रा के दौरान भारतीय पर्यटकों के लिए टिकट बुक करने और अन्य खरीददारी को आसान बनाना है। यह कदम भारतीयों को विदेश यात्रा के दौरान टिकट खरीदने के लिए विदेशी कार्ड या दूसरे अंतरराष्ट्रीय पेमेंट ऑप्शंस पर निर्भर रहने की झंझट से मुक्ति दिलाएगा। इससे न केवल उनकी यात्रा और अधिक सुविधाजनक होगी, बल्कि उन्हें करेंसी एक्सचेंज की जटिलताओं से भी नहीं जूझना पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर, यदि आप दुबई घूमने जा रहे हैं और बुर्ज खलीफा का टिकट यूपीआई से बुक करना चाहते हैं, तो यह प्रक्रिया बेहद सरल है। आपको बस बुर्ज खलीफा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा, अपनी पसंद का टिकट पैकेज चुनना होगा और बुक नाओ पर क्लिक करके घूमने की तारीख व समय का चयन करना होगा। इसके बाद चेकआउट करते समय पेमेंट के विकल्प में यूपीआई को चुनकर आप आसानी से भुगतान कर सकते हैं। यह नई पहल विदेश जाने वाले भारतीयों को काफी सहूलियत प्रदान करेगी और वैश्विक स्तर पर भारतीय डिजिटल पेमेंट के बढ़ते इस्तेमाल को भी बढ़ावा देगी। यह भारतीय डिजिटल इकोसिस्टम के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आंध्र प्रदेश को मिली 1614 करोड़ की दक्षिण कोरियाई निवेश लॉटरी, तमिलनाडु चूका

हुंडई-किया के पुर्जे बनाने वाली तीन कंपनियां अनंतपुर में लगाएंगी फैक्ट्रियां

नई दिल्ली ।

भारत में निवेश के लिए राज्यों के बीच चल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा में आंध्र प्रदेश ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। दक्षिण कोरिया की तीन प्रमुख ऑटो-पार्ट्स कंपनियों ने तमिलनाडु को पछाड़कर आंध्र प्रदेश में 1,614 करोड़ रुपये का निवेश करने का फैसला किया है। ये कंपनियां दुनिया की दिग्गज कार निर्माता हुंडई और किया को गाड़ियों के पुर्जे सप्लाई करती हैं। इस निवेश के तहत राज्य के अनंतपुर जिले में नई मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्रियां स्थापित की जाएंगी। इसमें ह्वासन 850 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, सियोयोन 514 करोड़ रुपये लगाएगी, और इवामेट 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कुल मिलाकर, यह ₹1,614 करोड़ का निवेश 1,418 संभावित रोजगार सृजित करेगा। तमिलनाडु, जो ऑटोमोबाइल कंपनियों का एक बड़ा केंद्र है और वहां हुंडई के प्लांट भी मौजूद हैं, इन कंपनियों को अपने यहां निवेश के लिए लुभा रहा था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1200 , निफ्टी 370 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसी कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांक भारी बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे बाजार में उत्साह का माहौल है। इस तेजी का कारण हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और एशियन पेंट्स जैसे दिग्गज शेयरों में आया उछाल है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1225.07 अंक बढ़कर 76,917.85 के ऊपरी स्तरों पर बंद हुआ। इसी तरह, 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 370.05 अंकों की तेजी के साथ ही 23,810.85 के स्तर पर पहुंचा। गत दिवस भी बाजार में करीब 1.5 फीसदी की तेजी रही जिससे यह लगातार दूसरा ऐसा दिन रहा जब निवेशकों की पूंजी बढ़ी है।

आज अधिकर शेयरों में तेजी रही। सेंसेक्स में शामिल 30 में से 25 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए, जबकि शेष 5 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। वहीं, निफ्टी में भी यही रुझान रहा। इसमें 50 में से 39 कंपनियों के शेयरों में बढ़त रहीजबकि 10 शेयरों में गिरावट आई और एक शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ।

दिग्गज शेयरों में हिंदुस्तान



यूनिलीवर के शेयरों ने लंबी छलांग लगाई और यह 4.16 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, भारती एयरटेल , एचडीएफसी बैंक , एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही। आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी , टाइटन, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर भी उछले। । बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और सन फार्मा जैसे अन्य प्रमुख शेयरों में भी बढ़त रही। इस तेजी के बावजूद कुछ शेयर ऐसे भी रहे, जिन्हें नुकसान उठाना पड़ा। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरे। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक और एनटीपीसी 0.87 और ट्रेंट के शेयर भी गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजारों की बढ़त के साथ शुरुआत हुई।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 13 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.71 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार 12 पैसे मजबूत होकर 94.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पूंजी के प्रवाह से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, अमेरिका में महत्वपूर्ण मध्यावधि चुनाव से पहले डॉलर के मजबूत होने से दुनियाभर के निवेशकों के सतर्क रहने से रुपये की बढ़त सीमित रही। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.68 प्रति डॉलर पर खुला और फिर मजबूत होकर 94.60 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। इसके बाद यह डॉलर के मुकाबले 94.72 पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं रुपया सोमवार को आठ पैसे टूटकर 94.84 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी बढ़कर 101.65 पर आ गया।

भारत में सोने की मांग 29 फीसदी घटी, मूल्य में 3 फीसदी की वृद्धि

आयात शुल्क, ऊंची कीमतें और पीएम की अपील बनी वजह

मुंबई ।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार भारत में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान सोने की मांग सालाना आधार पर 29 प्रतिशत घटकर 162.5 टन रह गई। आयात शुल्क में बढ़ोतरी, कीमतों में तेज उछाल और प्रधानमंत्री की खरीदारी कम करने की अपील इसके प्रमुख कारण रहे। हालांकि, इस अवधि में सोने की कुल मांग का मूल्य 3 प्रतिशत बढ़कर 2,41,900 करोड़ रुपये हो गया, जो उपभोक्ताओं की सोने के प्रति निरंतर प्राथमिकता को दर्शाता है। डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की इसी तिमाही में सोने की मांग 229.8 टन थी, जबकि समीक्षाधीन तिमाही में औसत भाव करीब 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। कुल आभूषण मांग 20 फीसदी घटकर 99.9 टन पर आ गई, पर मूल्य के लिहाज से यह 16 फीसदी बढ़कर 1,48,700 करोड़ रुपये दर्ज की गई। डब्ल्यूजीसी के एक अ धिकारी ने कहा कि उपभोक्ता अब हल्के वजन के आभूषणों और पुराने सोने के बदले नए आभूषण लेने जैसी रणनीतियों को अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि तीसरी तिमाही के अंत में कीमतों में आई गिरावट और आगामी त्योहारों व शादी के मौसम से मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। डब्ल्यूजीसी ने पूरे साल के लिए भारत में सोने की मांग 625 से 675 टन रहने का अनुमान लगाया है।

डेरियस खंबाटा ने टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से किया इनकार

विदाई पत्र में टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया

नई दिल्ली।

टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स में नेतृत्व को लेकर विवाद गहरा गया है। वरिष्ठ वकील डेरियस खंबाटा ने सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से इनकार कर दिया है। उनका कार्यकाल इसी माह खत्म हो जाएगा। अपने विदाई पत्र में, खंबाटा ने टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया, जिससे इस बड़े समूह के अंदर चल रही सत्ता और नियंत्रण की खींचतान एक बार फिर उजागर हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खंबाटा के जाने के बाद, एसडीटीटी में पांच ट्रस्टी होंगे। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा एसडीटीटी में एक 'स्थायी ट्रस्टी' हैं। इस मुद्दे पर कुछ ट्रस्टियों ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर के सामने आपत्ति जताई है। अन्य मौजूदा ट्रस्टियों में वाइस-चेयरमैन विजय सिंह और वेणु श्रीनिवासन के साथ-साथ भास्कर भट और नेविल टाटा शामिल हैं। जहां पहले टाटा ट्रस्ट्स में ट्रस्टियों का नवीनीकरण एक सामान्य प्रक्रिया थी, वहीं पिछले दो सालों में आम सहमति न बन पाने पर वोटिंग करनी पड़ी है, जिससे विवाद पैदा हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अपने विदाई पत्र में खंबाटा ने 28 जुलाई, 2025 को ट्रस्टों द्वारा लिए गए प्रस्तावों के समर्थन में अपने अडिग रुख का जिक्र किया। इन प्रस्तावों में आरबीआई के साथ बातचीत करके टाटा संस की लिस्टिंग का विरोध करना और शापूरजी पलोनजी समूह को उनकी मांगी गई नकद राशि उपलब्ध कराना शामिल था। इसके साथ ही एन चंद्रशेखरन को टाटा संस के चेयरमैन के तौर पर तीसरे कार्यकाल के लिए समर्थन देने का प्रस्ताव भी पारित किया गया था। खंबाटा ने लिखा- अगस्त और सितंबर 2026 की हैरान कर देने वाली घटनाओं ने पिछली बातों को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त 2026 में चंद्रशेखरन ने टाटा संस बोर्ड को लिखा था कि वे तीसरे कार्यकाल के लिए दोबारा नियुक्ति नहीं चाहेंगे, लेकिन इसके एक महीने बाद, टाटा संस बोर्ड की एक बैठक में चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने का प्रस्ताव पास किया गया, जिसका नोएल टाटा ने विरोध किया। जुलाई 2025 का वह प्रस्ताव, जिसका जिक्र खंबाटा ने अपने पत्र में किया है, एसडीटीटी और एसआरटीटी दोनों की सर्वसम्मति से पास किया गया था। खंबाटा ने ही 28 मई, 2025 की बैठक में टाटा संस की संभावित लिस्टिंग के खिलाफ चेतावनी दी थी और इसे ट्रस्टों के अस्तित्व के लिए खतरा बताया था। उन्होंने लिखा यहां पूरा 'टाटा मॉडल' ही दांव पर लगा था।

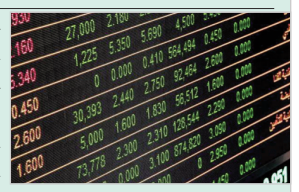
मुकेश अंबानी ने रचा कीर्तिमान, एक दिन में 6.3 अरब डॉलर कमाए

रिलायंस के दमदार तिमाही नतीजों और शेयर में जोरदार उछाल से संपत्ति बढ़ी

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने हाल ही में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने एक ही दिन में 6.3 अरब डॉलर (लगभग 55,000 करोड़ रुपये से अधिक) की संपत्ति अर्जित कर दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अरबपति का गौरव हासिल किया है। यह बढ़ोतरी उनकी प्रमुख कंपनी के बेहतर तिमाही नतीजों के बाद शेयर में आई जोरदार तेजी का परिणाम है। फोर्ब्स की रियल-टाइम अरबपतियों की ताजा सूची के अनुसार मुकेश अंबानी अब 88.8 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दुनिया के 23वें सबसे अमीर व्यक्ति और भारत के सबसे धनी शख्स बन गए हैं। इस सूची में गौतम अदाणी 79.12 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 26वें स्थान पर हैं। संपत्ति में इस वृद्धि के मामले में वैश्विक स्तर पर स्पेन के अमानसियो ओर्टेगा (1.7 अरब डॉलर) और चीन के झोंग शांशान (1.5 अरब डॉलर) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 11.64 प्रतिशत चढ़कर 1,299 रुपये पर बंद हुआ, जो छह साल से अधिक समय में इसका सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। यह उछाल कंपनी के सितंबर तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया, जिसमें एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 33.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 29,550 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कंपनी के तेल से रसायन और दूरसंचार व्यवसायों में मजबूत प्रदर्शन ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। कंपनी के तेल से रसायन (ओ2सी) कारोबार में मजबूत प्रदर्शन और दूरसंचार व्यवसाय में वृद्धि ने खुदरा कारोबार की अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति की भरपाई कर दी।

एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक का शेयर आठ फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।



अपशिष्ट जल शोधन समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का शेयर अपने 330 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब आठ प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 7.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 354.05 रुपये पर कारोबार शुरू किया। एनएसई में यह 7.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 355.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 4,161.69 करोड़ रुपये रहा। एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह गुरुवार को बोली के अंतिम दिन 9.47 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 668 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 313 से 330 रुपये प्रति शेयर था। कंपनी की योजना नए शेयर जारी कर जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए करने की है।

एसीएमई सोलर की बीकानेर में 66.68 मेगावाट नई सौर ऊर्जा इकाई शुरू

हाइब्रिड परियोजना की परिचालन क्षमता 200 मेगावाट पार

नई दिल्ली ।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने राजस्थान के बीकानेर जिले में अपनी सौर ऊर्जा क्षमता का विस्तार किया है।

कंपनी की अनुषंगी एसीएमई रिन्यूटेक प्राइवेट लिमिटेड ने 66.68 मेगावाट की अतिरिक्त सौर ऊर्जा इकाई का सफलतापूर्वक परिचालन शुरू किया है।

इस नई क्षमता के साथ हाइब्रिड परियोजना की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 200.04 मेगावाट हो गई है। इसके परिणामस्वरूप एसीएमई सोलर की कुल परिचालन क्षमता अब करीब 3,190 मेगावाट हो गई है। यह परियोजना बीकानेर के केलां गांव में स्थित है और इसके लिए एनटीपीसी लिमिटेड के साथ 3.36 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा की दर से बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया गया है।

नई शुरू की गई क्षमता की वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओडी) 4 नवंबर, 2026 निर्धारित है।

कंपनी को उम्मीद है कि वह वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही तक परियोजना की पूरी 300 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता को चरणबद्ध तरीके से परिचालन में ले आएगी।

भारत में मीठी ड्रिंक्स से दूरी बना रहे लोग,जीरो शुगर की मांग दोगुनी

पेप्सी-कोक जैसी कंपनियां अपना रहीं नई रणनीति

नई दिल्ली ।

भारत का 60 हजार करोड़ रुपए का सॉफ्ट ड्रिंक बाजार एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है। उपभोक्ता अब मीठे पेय पदार्थों के बजाय जीरो और लो शुगर ड्रिंक्स को ज्यादा पसंद कर रहे हैं, जिससे पेप्सीको और कोका-कोला जैसी बड़ी कंपनियों को फायदा हो रहा है।

पेप्सीको के कुल वॉल्यूम में जीरो और लो शुगर ड्रिंक्स की हिस्सेदारी जुलाई से सितंबर 2026 तिमाही में बढ़कर 88 फीसदी हो गई, जो पिछले साल 44 फीसदी थी।

कोका-कोला की डाइट और लाइट ड्रिंक्स की बिक्री में भी तेज उछाल आया है, जहां डाइट कोक की बिक्री में 150 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है और इनकी कुल हिस्सेदारी 60 फीसदी के पार पहुंच गई है।

इस बदलाव के पीछे उपभोक्ताओं में बढ़ती स्वास्थ्य जागरूकता के साथ-साथ चीनी की बढ़ती कीमतें भी एक बड़ा कारण हैं। पिछले साल 40-50 रुपए किलो मिलने वाली चीनी अब 58-65 रुपए किलो तक पहुंच गई है।

पेप्सी की बॉटलिंग पार्टनर वरुण बेवरेजेज जैसी कंपनियों को जीरो शुगर उत्पादों से महंगी चीनी लागत के दबाव को कम करने में मदद मिली है।

वैश्विक संघर्षों की आंच में झुलसा करेली गुड़,दाम 4100 रुपए के पार

समुद्री मार्ग बाधित होने से कच्चे माल की किल्लत, निर्यात पर भी खतरा

भोपाल ।

पश्चिम एशिया और रूस-यूक्रेन में जारी संघर्ष का सीधा असर मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के प्रसिद्ध करेली गुड़ पर दिखाई दे रहा है। इन युद्धों के चलते उर्वरकों की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिससे गन्ने की खेती की लागत बढ़ गई है और गुड़ के दाम पिछले साल के मुकाबले 10-15 प्रतिशत बढ़कर 4,100 रुपये प्रति क्विंटल के पार पहुंच गए हैं। पिछले साल इसी समय करेली मंडी में गुड़ का भाव 3,500 रुपये प्रति क्विंटल चल रहा था। यह बढ़ोतरी किसानों और व्यापारियों दोनों के लिए चिंता का विषय बन गई है। किसानों का कहना है कि गन्ने की खेती में प्रति एकड़ 60,000 रुपये का खर्च आता है, जिसमें मजदूरी, सिंचाई और खासकर उर्वरकों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। गुड़ कारोबारी भी मानते हैं कि उर्वरक कीमतों में तेज वृद्धि ने इस साल गुड़ को महंगा कर दिया है। होर्मुज स्ट्रेट, लाल सागर और काला सागर जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बंद होने से सल्फर और रॉक फॉस्फेट जैसे उर्वरक बनाने वाले कच्चे माल की किल्लत पैदा हो गई है। खेतान केमिकल्स के ब्रांड मैनेजर मयंक जोशी के अनुसार, युद्ध से पहले 6,000-10,000 रुपये प्रति टन मिलने वाला सल्फर अब 1 लाख रुपये प्रति टन हो गया है, जबकि रॉक फॉस्फेट भी तीन गुना महंगा होकर 14,000-15,000 से 30,000-35,000 रुपये प्रति टन पर पहुंच गया है। कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से उर्वरक कंपनियों ने उत्पादन घटा दिया है, जिससे बाजार में कीमतें और बढ़ गई हैं। स्थानीय किसान प्रवासी मजदूरों पर निर्भर हैं, जिनकी मजदूरी भी बढ़ी है। एक एकड़ खेत में बोआई का मेहनताना ही करीब 6,000 रुपये देना पड़ता है। मध्य प्रदेश का लगभग 75 फीसदी गन्ना नरसिंहपुर में ही बोया जाता है, जहां 2,000 से अधिक गुड़ उत्पादन इकाइयां हैं। हालांकि, राज्य में कोई घोषित गन्ना नीति नहीं होने से किसानों को अपनी उपज की कीमत के लिए मिल मालिकों पर निर्भर रहना पड़ता है। जीआई टैग प्राप्त करेली गुड़ का बड़ी मात्रा में खाड़ी देशों और मॉरीशस जैसे देशों में निर्यात होता है, लेकिन उत्पादन लागत में वृद्धि अब इसके निर्यात पर भी प्रतिकूल असर डाल सकती है।

ईरान पर अमेरिकी हमले से कच्चे तेल में फिर उबाल

ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर के पार, अमेरिका ने हमले को बताया बचाव का कदम

नई दिल्ली ।

अमेरिका द्वारा ईरान के केश्म द्वीप पर किए गए हमले की खबर से मंगलवार को शुरुआती एशियाई कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर बड़ा उछाल देखने को मिला। इस घटना ने पश्चिम एशिया में पिछले आठ महीने से जारी संघर्ष के और गहराने की आशंका पैदा कर दी है, जिससे क्षेत्र से वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति लंबे समय तक प्रभावित रहने की चिंता बढ़ गई है। यह उछाल सोमवार को ब्रेंट क्रूड में आई 7.63 फीसदी की बड़ी गिरावट के बाद आया है, जो 104.77 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 0.5 फीसदी बढ़कर 105.25 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.5 फीसदी की तेजी के साथ 96.93 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका ने ईरान के केश्म द्वीप पर हमला किया है। कुछ अधिकारियों के मुताबिक, ये हमले बचाव के मकसद से किए गए थे, ताकि ईरान को होर्मुज स्ट्रेट में कारोबारी जहाजों पर हमला करने से रोका जा सके। केसीएम ट्रेड के चीफ मार्केट एनालिस्ट टिम वाटरर ने कहा कि इस खबर से कच्चे तेल की कीमतों में युद्ध से जुड़ा जोखिम फिर बढ़ गया है। वैश्विक आपूर्ति और राजनीतिक दबाव होर्मुज स्ट्रेट में जारी तनाव वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक बड़ा संकट बना हुआ है, क्योंकि संघर्ष शुरू होने से पहले दुनिया के कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कुल आपूर्ति का करीब पांचवां हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से गुजरता था। पश्चिम एशिया में किसी भी नई सैन्य कार्रवाई की खबर का असर कच्चे तेल की कीमतों पर तुरंत दिखाई देता है। अमेरिका में मंगलवार को मध्यावधि चुनाव हो रहे हैं और ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल की ऊंची कीमतें राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर संघर्ष खत्म करने का दबाव बढ़ा रही हैं, ऐसे में यह हमला राजनीतिक रूप से भी अहम है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com